2020 से 2022

Web Portal
www.ghatatighatana.com

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक -325 शुक्रवार ,30 सितम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

मानव जीवन में लगन की बड़ी महत्व है। जिसमें लगन है वह बूढ़ा भी जवान है और जिसमें लगन नहीं वह जवान भी मृतक है।

- प्रेमचंद-

टीआरपी घोटाला

ईडी ने रिपब्लिक टीवी को दी क्लीन चिट 16 के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई, 29 सितम्बर 2022। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अर्नब आर. गोस्वामी के स्वामित्व वाले रिपब्लिक टीवी और आर. भारत अंग्रेजी और हिंदी समाचार चैनलों को 'क्लीन चिट' दे दिया है, लेकिन एजेंसी ने दो साल पहले हुए सनसनीखेज टीआरपी घोटाले में धन शोधन के आरोपों के चलते विभिन्न निजी टेलीविजन चैनलों और एक बाजार अनुसंधान समूह के 16 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ईडी का आरोप पत्र 26 सितंबर को सहायक निदेशक पवन कुमार की ओर से विशेष पीएमएलए कोर्ट मुंबई के समक्ष दायर किया गया था। धन शोधन की रोकथाम के तहत निर्धारित सभी आरोपियों की अनंतिम रूप से संलग्न संपत्तियों को जब्त करने के लिए कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई है, क्योंकि वे अपराध की आय से खरीदे गए थे।

जिन 16 के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, उनमें 'फख्त मराठी' चैनल और उनकी कंपनी लोटस एंटरप्राइजेज के मालिक शिरीष वी पट्टनशेट्टी और मनीष आर संघ, 'बॉक्स सिनेमा' चैनल के मालिक नारायण एन शर्मा और उनकी कंपनी बॉक्स सिनेमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, 'महामूवी' चैनल के मालिक विश्वजीत ओ शर्मा और दर्शन बी सिंह शामिल है।

इनके अलावा, सांच मीडिया के बोमपल्ली राव मिस्त्री, उमेश सी. मिश्रा, विशाल वी. भंडारी, दिनेश पी. विश्वकर्मा, विकास वी. बुरुंगले, अश्विन सी. मोतीवाले, महेश एस. बोम्पल्ली और राजेश के. विश्वकर्मा का भी नाम चार्जशीट में शामिल है।

ईडी ने विशेष अदालत से सभी आरोपी व्यक्तियों (गिरफ्तारी के लिए) के खिलाफ संज्ञान लेने और प्रक्रिया जारी करने, उनकी चल और अचल संपत्ति को जब्त करने, उनके पासपोर्ट जब्त करने आदि की कार्रवाई का आदेश देने के लिए आग्रह किया है।

गोस्वामी और उनके समाचार चैनलों को 'क्लीन चिट' देते हुए, ईडी ने पीएमएलए के तहत अपनी जांच को मुंबई पुलिस द्वारा शुरू में की गई जांच से अलग करार दिया। ईडी ने कहा कि मुंबई पुलिस जिसने पहली बार 2020 में घोटाले का पदार्फाश किया था, वह एक्विजरी रिस्क कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड की एक फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट पर आधारित थी, जिसमें बताया गया था कि टीआरपी गणना पद्धति के साथ कैसे छेड़छाड़ की गई।

मुंबई पुलिस ने रिपब्लिक टीवी, इंडिया टुडे और अन्य चैनलों को कथित तौर पर टीआरपी घोटाले में शामिल बताया था। जिसने देश के मीडिया उद्योग को हिलाकर रख दिया था। इस मामले को लेकर बड़े पैमाने पर राजनीतिक हंगामा हुआ था। ईडी की चार्जशीट में रिपब्लिक टीवी, आर. भारत चैनल, इसके एडिटर-इन-चीफ अर्नव गोस्वामी या उनकी कंपनी एआरजी आउटलेयर मीडिया या बीएआरसी के किसी अधिकारी का उल्लेख नहीं है।

गिरिराज सिंह ने लालू यादव को दी चुनौती,हिम्मत है तो बिहार में आरएसएस को बैन करके दिखाएं

नई दिल्ली, 29 सितम्बर 2022। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरएसएस को बैन करने के लालू यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि अगर उनमें हिम्मत है तो बिहार में आरएसएस को बैन करके दिखाएं।

सिंह ने लालू यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लालू यादव पहली बार 1990 में जब बिहार के मुख्यमंत्री बने थे तब वो इसी आरएसएस और बीजेपी का गुणगान किया करते थे, लेकिन आज वोट बैंक के लालच में वो पीएफआई जैसे संगठन की तारीफ कर रहे हैं।

गिरिराज सिंह ने लालू यादव को चुनौती देते हुए ट्वीट कर कहा, ÷हमें आरएसएस का स्वयंसेवक होने पर गर्व है, क्या लालू यादव कह सकते हैं कि वह पीएफआई के सदस्य हैं? बिहार में उनकी सरकार है, हिम्मत है तो बिहार में आरएसएस को बैन कर दो।

लालू यादव को 1990 की याद दिलाते हुए सिंह ने आगे कहा, ÷लालू यादव की याददाश्त कमजोर हो गई है, 1990 में जब वे पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब वे इस आरएसएस और बीजेपी का गुणगान कर रहे थे, आज वोट बैंक की जरूरत है तो पीएफआई की तारीफ कर रहे हैं।÷

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बुधवार को पीएफआई पर बैन लगाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी बैन लगाने की मांग की थी। जिस पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरजेडी सुप्रीमो को यह चुनौती दी है।

संक्षिप्त समाचार

30 लोगों से भरी नाव ब्रह्मपुत्र नदी में पलटी, 7 लापता, तलाश में जुटी गोताखोर की टीम

नई दिल्ली , 29 सितम्बर 2022। असम के धुबरी जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। जहां 30 लोगो से भरी नाव नदी में पलट गई है। आपको बता दें कि, यहां ब्रह्मपुत्र नदी में एक नाव पलटने के बाद से करीब 30 लोग लापता हो गए थे, जिसमें से 20 से अधिक लोगों को बचा लिया गया है। वहीं 6-7 लोग अभी भी लापता हैं। राहत बचाव का काम तेजी से चल रहा है। बताया जा रहा है कि लापता होने वाले लोगों में जिले का एक सीनियर अफसर भी शामिल है।

जानकारी के मुताबिक, नाव पलटने के बाद कुछ लोगों ने खुद ही तैरकर अपनी जान बचा ली, जबकि जिन्हें तैरना नहीं आता था, उनकी तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और सीमा सुरक्षा बल की टीमों को खोज और बचाव कार्यों में लगाया गया है।

हाईकोर्ट ने पीएफआई को दिया बड़ा झटका, दो सप्ताह में 5.20 करोड़ रुपए जमा करने को कहा

कोच्चि, 29 सितम्बर 2022। केरल हाई कोर्ट ने गुरुवार को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को अपने नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में बुलाए गए 23 सितंबर के बंद के दौरान हुए नुकसान के मुआवजे के रूप में 5.20 करोड़ रुपये की राशि जमा करने का निर्देश दिया। जस्टिस ए.के. जयशंकरन नांबियार और सीपी मोहम्मद नियास ने पीएफआई के खिलाफ स्वत- संज्ञान लिया और राज्य की सभी निचली अदालतों को बिना मुआवजे के जमानत नहीं देने का निर्देश दिया। उन सभी लोगों पर व्यक्तिगत संपत्ति को जब्त करने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए, जो क्षति के लिए भुगतान करने में विफल रहे। अदालत ने एक दावा आयोग गठित करने का भी निर्देश दिया। निर्देशों के अनुसार, राज्य में सार्वजनिक और निजी संपत्ति को हुए नुकसान से उत्पन्न राज्य के साथ-साथ केएसआरटीसी द्वारा अनुमानित नुकसान के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग के साथ राशि का भुगतान दो सप्ताह के समय में किया जाना है।

महिलाओं के हक़ में कोर्ट का सुप्रीम फैसला!

कहा-सभी महिलाएं सुरक्षित और कानूनी गर्भपात की हकदार

नई दिल्ली , 29 सितम्बर 2022। ने महिलाओं के हक़ में एक अहम फैसला सुनाया है. सुप्रीम कोर्ट ने अविवाहित महिलाओं या नाबालिग महिलाओं पर से 20 सप्ताह की अवधि के बाद गर्भावस्था के बाद गर्भपात से प्रतिबंध हटा दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने सभी महिलाओं को 24 सप्ताह तक अपनी गर्भावस्था को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की इजाजत दी है।

एमटीपी यानी मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी पर जस्टिस डी वी चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि आधुनिक समय में यह धारणा छोड़ी जा रही है कि विवाह इन अधिकारों का स्रोत है। विधियों को हमेशा बोलने वाला माना जाता है।

एमटीपी (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी) की व्याख्या सामाजिक वास्तविकताओं और मांगों के अनुसार होनी चाहिए। कानूनों का पुनर्समायोजन और पिछले अभिलेखागार में नहीं हो सकता। असंशोधित 1971 अधिनियम विवाहित महिला से संबंधित था, लेकिन 2021 के उद्देश्यों और कारणों का विवरण विवाहित और अविवाहित के बीच अंतर नहीं करता है। इस प्रकार सभी सुरक्षित और कानूनी गर्भपात के हकदार हैं।

जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वास्तव में विवाह में अधिकारों का संचार होता है। लेकिन व्यक्तियों के अधिकारों के लिए एक पूर्व शर्त के रूप में विवाह को बदलना होगा। बदलते सामाजिक कुरीतियों को ध्यान में रखना चाहिए। ऐसा होना चाहिए ताकि गैर-पारंपरिक पारिवारिक संरचनाएं ऐसे कानूनों का लाभ उठा सकें। बता दें कि इस तरह की मांग की जा रही थी कि 24 सप्ताह के अंदर गर्भपात का अधिकार सभी महिलाओं को मिलना चाहिए।

अशोक गहलोत को झटका ?

अध्यक्ष की उम्मीदवारी गई,सीएम पद पर भी सस्पेंस...एक दो दिन में सोनिया गांधी लेंगी फैसला

नई दिल्ली , 29 सितम्बर 2022। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दस जनपथ में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने के बाद जयपुर में रविवार को हुई घटना के लिए खेद जताया. गहलोत ने साफ कर दिया है कि वो कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे. इसके साथ ही गहलोत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे कि नहीं का फैसला सोनिया गांधी के पाले में डाल दिया है. इस तरह से अभी भी सीएम पर सस्पेंस बरकरार है?

गहलोत ने राजस्थान में जारी सियासी घटनाक्रम पर सोनिया गांधी से मिलकर खेद जताया. गहलोत ने कहा कि कांग्रेस का वफादार सिपाही हूं. जयपुर में विधायक दल के बैठक के दिन की घटना ने मुझे हिलाकर रख दिया. पूरे देश में मैसेज चला गया कि मैं सीएम बना रहना चाहता हूं. मैंने इसके लिए सोनिया गांधी से माफी मांगी है. मैं कांग्रेस का वफादार हूं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के साथ बैठकर हमने बात की है.

सीएम गहलोत ने कहा कि हमारे यहां हमेशा से एक कायदा रहा कि हम आलाकमान के लिए एक लाइन का प्रस्ताव पास करते हैं. मुख्यमंत्री होने के बावजूद मैं यह एक लाइन का प्रस्ताव पास नहीं करवा पाया, इस बात का हमेंश दुख रहेगा. इस घटना ने देश के अंदर कई तरह के मैसेज दे दिए. साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव वो अब नहीं लड़ेंगे और मुख्यमंत्री पद पर रहेंगे कि नहीं, इसका फैसला सोनिया गांधी करेंगी.

अशोक गहलोत के बाद सचिन पायलट कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे. इसके बाद ही राजस्थान में मुख्यमंत्री पद का फैसला साफ हो पाएगा कि अशोक गहलोत अपनी कुर्सी पर बनेंगे रहेंगे या फिर इस्तीफा देंगे. माना जा रहा है कि कांग्रेस हाईकमान गहलोत के उत्तराधिकारी के तौर पर सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का भरोसा दिया था. इसी मद्देनजर रविवार को मलिकार्जुन खड़गे और अजय माकन को पर्यवेक्षक बनाकर जयपुर भेजा था, लेकिन गहलोत खेमे के विधायकों के बागी रुख अपनाने से विधायक दल की बैठक नहीं हो सकी.

गहलोत खेमे के विधायक सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में नहीं है. शांति कुमार धारिवाल से लेकर महेश जोशी और प्रताप सिंह खाचरियावास तक साफ कह चुके हैं कि कांग्रेस के उन 102 विधायकों में से किसी को भी मुख्यमंत्री बना दें, जो 2020 में पार्टी के साथ खड़े रहे हैं. इसके अलावा सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो स्वीकार नहीं करेंगे. गहलोत पर सस्पेंस खत्म हो गया है. वह कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे. अब कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव में शशि थरूर और दिग्विजय सिंह का नाम बचा है. दोनों 30 सितंबर को नामांकन कर सकते हैं. एक तरफ दिग्विजय सिंह को गांधी परिवार का सपोर्ट माना जा रहा है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा का केरल चरण पूरा

मलप्पुरम , 29 सितम्बर 2022। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का केरल चरण गुरुवार को पूरा करने और तमिलनाडु के गुडलुर में प्रवेश करने के लिए राज्य से रवाना होगा।

केरल यात्रा के 19 वें दिन यात्रा नीलांबुर के चुंगथारा से सुबह 6.30 बजे फिर से शुरू हुयी , सुबह 8.30 बजे वाझीकाडव में रुकी। यात्रा शाम 4.45 बजे गुडलुर के अमाइकुलम से फिर से शुरू होगी और शाम 6 बजे तमिलनाडु के गुडालूर बस स्टैंड पहुंचेगी।

वायनाड के सांसद को यात्रा के दौरान भारी जन समर्थन मिल रहा है और लोग अपना समर्थन देने के लिए सड़क के दोनों किनारों पर लाइन में खडें होकर उनका स्वागत कर रहे है। बुधवार शाम वायनाड में यात्रा के दौरान केरल की पहली आदिवासी फिल्म निर्माता लीला संतोष भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुईं और राहुल गांधी से बातचीत की।

आदिवासियों की आवाज को समर्थन देते हुए, उनकी पहली वृत्तचित्र ने राहुल के निर्वाचन क्षेत्र वायनाड के पनिया समुदाय के जीवन और रीति-रिवाजों पर प्रकाश डाला।

राज्य में 19 दिनों में, यात्रा एक अक्टूबर को कर्नाटक में शुरू होने से पहले, 450 किलोमीटर से अधिक के 7 जिलों को कवर करेगी। भारत जोड़ो यात्रा पांच महीने की है, जो कन्याकुमारी से श्रीनगर तक 3,500 किलोमीटर से अधिक लंबी पैदल यात्रा है।

जेल में हड़कंपः

अस्पताल को कोठा बना दिया गया,शराब के साथ कॉल गर्ल मिली

» रात के अंधेरे में कैदियों की रंगीन पार्टी होती है.

हाजीपुर, 29 सितम्बर 2022। बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर बेशक आम आदमी बेहाल हो, लेकिन जेल में कैदियों और अपराधियों की मौज है. हालत ये हैं कि जेल में बंद सजायाफ्ता कैदी कॉलगर्ल के साथ मौज करते पकड़े जा रहे हैं. दरअसल वैशाली के पुलिस अधीक्षक मनीष को खबर मिली कि सदर अस्पताल के कैदी वार्ड में रात के अंधेरे में कैदियों की रंगीन पार्टी होती है।

खबर पर देर रात अस्पताल में छापेमारी हुई. छापेमारी के दौरान कैदी वार्ड में बंद कैदी गायब मिले. जांच हुई तो हत्या के मामले में सजायाफ्ता कैदी वार्ड की बजाय अस्पताल के नशा मुक्ति केंद्र के एसी कमरे में में पार्टी करता मिला. पार्टी करने वाले कैदी ने बाकायदा शराब के साथ कॉल गर्ल को बुला रखी थी, जिसे मौके से गिरफ्तार कर लिया गया.

बताया जा रहा है कि हत्या के एक मामले में बंद कैदी ने जेल ड्यूटी पर तैनात पुलिसवालों के साथ अस्पताल के वार्ड बॉय से सेटिंग कर रखी थी. रात हुई तो कैदी अपने वार्ड से निकल VIP इंतजाम वाले नशा मुक्ति केंद्र के कमरे में पहुंच जाता था. वार्ड में लड़की और शराब का इंतजाम होता था. इसके बाद पार्टी शुरू हुई हो जाती थी.

गनीमत ये रही कि कैदियों की मौज वाले इस इंतजाम की खबर किसी ने जिले के पुलिस अधीक्षक को दे दी. देर रात नगर थाने और SDPO की टीम की छापेमारी हुई तो मौके से कॉलगर्ल के साथ कैदी मौज करता पकड़ा गया. पुलिस ने इस मामले में ड्यूटी पर तैनात 4 जवानों के साथ अस्पताल के वार्ड में तैनात वार्ड बॉय को हिरासत मे ले लिया है.

इस हैरतअंगेज खुलासे के बाद अहले सुबह आलाअधिकारियों की टीम आरोपियों के पूछताछ करने और मामले की पड़ताल करने थाने पहुंची. जिले के SP खुद कैदियों के इस VIP इंतजाम वाले मामले की पड़ताल करते दिखे।

मुकेश अंबानी की सुरक्षा बढ़ाई गई

गृह मंत्रालय का फैसला

नई दिल्ली, 29 सितम्बर 2022। रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी की सुरक्षा को और बढ़ा दिया गया है. गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक मुकेश अंबानी को अब ÷ प्लस कैटेगरी की सुरक्षा दे दी गई है. अब तक उन्हें ÷ कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई थी. इंटेलिजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक मुकेश अंबानी को खतरा है, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने यह फैसला लिया है. पेमेंट बेसिस पर

उनकी सुरक्षा को बढ़ाया गया है. मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास विस्फोटक मिलने के बाद उनकी सुरक्षा को मजबूत करने पर काफी दिनों से विचार चल रहा था.

सुरक्षा की येलो बुक के मुताबिक जिस वीवीआईपी को ÷ प्लस कैटेगरी की सुरक्षा दी जाती है, इनके चारों तरफ कड़ा सुरक्षा का पहरा होता है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 58 कमांडो ÷ कैटेगरी की सुरक्षा में तैनात होते हैं. इसके अलावा 10 आर्म्ड स्टैटिक गॉर्ड, 6 PSO, 24 जवान 2 एस्कॉर्ट में राउंड द क्लॉक, 5 वॉचर्स दो शिफ्ट में रहते हैं, एक इंस्पेक्टर या सब इंस्पेक्टर इंचार्ज के तौर पर तैनात रहता है. वीआईपी के घर आने-जाने वाले लोगों के लिए 6 फ्रीस्किंग और स्क्रीनिंग करने वाले तैनात रहते हैं. इसके साथ ही राउंड द क्लॉक ट्रेंड 6 ड्राइवर होते हैं।

पेट दर्द होने पर अस्पताल पहुंचा युवक,डॉक्टरों ने जांच की तो उड़ गए होश,पेट से ऑपरेशन कर निकाले स्टील के 63 चम्मच

मुजफ्फरनगर, 29 सितम्बर 2022। आपने अक्सर ऑपरेशन के दौरान पेट से पथरी, ट्यूमर निकलने की कई खबरें जरुर सुनी होंगी. लेकिन क्या आपने कभी सुना है किसी के पेट से स्टील की चम्मच निकली हों. वो भी एक-दो नहीं पूरी 63. ऐसा ही हैरान करने वाला मामला यूपी के मुजफ्फरनगर से सामने आया है.

पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराए गए मरीज के पेट से निकली चम्मचों को देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए. डॉक्टरों (Doctor) ने ऑपरेशन कर शख्स के पेट से ये चम्मच निकाले. डॉक्टरों ने जब इसकी जानकारी मरीज के परिजनों को दी, तो वो भी हैरान रह गए. फ़िलहाल शख्स ICU में भर्ती है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है.

2 घंटे की सर्जरी के बाद निकाले चम्मच

जानकारी के मुताबिक मंसूरपुर थाना क्षेत्र के बोपाडा गांव के रहने वाले विजय को नशे की लत के चलते, उसके परिजनों ने पांच महीने पहले शामली के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था. जहां उसकी तबीयत खराब हो गई. पेट दर्द की शिकायत के बाद उसे मुजफ्फरनगर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां करीब दो घंटे की सर्जरी कर उसके पेट से 63 चम्मच निकाले गए. पहली बार किसी के पेट से इतनी चम्मच निकलने पर मेडिकल स्टाफ भी हैरान रह गए.

गायब था चम्मचों का अगला हिस्सा

विजय के पेट में स्टील की कई चम्मचें मौजूद थीं. हालांकि, उनका अगला हिस्सा गायब था. एक के बाद एक करके डॉक्टरों ने उसके पेट से 63 चम्मच निकाले।

आखिर कैसे गई पेट के अंदर इतनी चम्मच ?

ऑपरेशन के बाद भी विजय की हालात अब भी नाजुक है.लेकिन अब सवाल ये उठता है कि विजय के पेट में इतनी सारी चम्मच गई कैसे? सामान्य तौर पर यह संभव तो नहीं है कि कोई व्यक्ति खाने के साथ चम्मच भी खा जाए. वहीं, विजय के परिजनों का आरोप है कि नशा मुक्ति केंद्र के स्टाफ ने उसको जबरन चम्मच खिलाई गई. हालांकि पीड़ित ने इस मामले की अब तक कोई शिकायत नहीं की है।

मां के शव के साथ तीन दिनों तक बैठी रही बेटी

हावड़ा, 29 सितम्बर 2022। हावड़ा के रामराजतला के नंदीपाड़ा इलाके में तीन दिन तक एक बेटी अपनी मां के शव के पास बैठी रही। मंगलवार रात सूचना मिलने के बाद जगाछा थाने की पुलिस ने मृत मिन्टी कुंडू (75) नामक वृद्धा का शव बरामद किया। बताया गया है कि मंगलवार रात को मिन्टी देवी की बेटी सुमना कुंडू (41) ने खुद पड़ोसियों को फोन कर जानकारी दी कि पिछले रविवार सुबह उनकी मां का देहांत हो गया है। वह घर के अंदर मां को दफनाना चाहती है। बेटी की यह बात सुनकर पड़ोसी दंग रह गए। उन्होंने मृतक के बेटे सुदीप्त कुंडू को सूचना दी। वह कहीं और रहते हैं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी।

प्रारंभिक जांच के अनुसार सुमना कुंडू मानसिक रूप से बीमार है। पड़ोसियों ने बताया कि इलाके में मयूर नामक मशहूर मकान के मालिक सुबोध कुंडू थे।

संपादकीय

माया मिली ना राम!

आखिर जब स्थितियां बेहतर थीं, तब अर्थव्यवस्था को नहीं संभाला गया, बल्कि इसे चोट पहुंचाने वाले दुस्साहसी कदम भी उठाए गए, तो अब बुरे वक्त में उन सबका परिणाम एक साथ भुगतने के अलावा रास्ता क्या है?

इस वर्ष जनवरी से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 90 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है। इसके प्रमुख दो कारण बढ़ता व्यापार घाटा और डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत को कृत्रिम रूप से संभालने की भारतीय रिजर्व बैंक की कोशिश है। मार्केट में यह आम जानकारी रही है कि रुपये की कीमत को प्रति डॉलर 80 से नीचे ना गिरने देने की कोशिश में रिजर्व बैंक अपने भंडार से डॉलर बाजार में डालता रहा है। इसके बावजूद परिस्थितियां ऐसी बनी हैं, जिनमें ये कीमत 81 को पार कर गई है। तो अब तमाम वित्तीय अखबारों में यह खबर आई है कि अक्टूबर से रिजर्व बैंक अपनी नीति बदलेगा और रुपये की कीमत को स्वाभाविक रूप से परिस्थितियों के मुताबिक गिरने देगा। तो कुल मिला कर सूरत यह बनी कि जिस समय डॉलर का भंडार में होना सारी दुनिया में बेहद अहम हो गया है, उस समय रिजर्व बैंक ने बड़े पैमाने पर उसे एक ऐसे मकसद के लिए खर्च किया, जिसमें उसे अब सरेंडर करना पड़ा है। इसी बीच रिजर्व बैंक ने कुछ अंतर्विरोधी कदम भी उठाए। मसलन, मुनाफे में चल रही कंपनियों को रुपये के बदले एक बिलियन डॉलर तक हासिल करने की छूट उसने दी। जाहिर है, इससे डॉलर की मांग और बढ़ी।उधर अब तक गैर-जरूरी लग्जरी चीजों का आयात घटाने जैसे कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जबकि देश पर कर्ज चुकाने की देनदारियां भी हैं, जिनमें अगले सात महीनों में बड़ी मात्रा में डॉलर के जरिए पूरा करना होगा। इसके अलावा चूंकि वैश्विक परिस्थितियां बिगड़ती ही जा रही हैं, उसके मद्देनजर आगे की सूरत और चिंताजनक नजर आती हैं। ऐसे में रुपये की कीमत गिरेगी, इस सच को स्वीकार करने के अलावा कोई और चारा नजर नहीं आता।

विपक्षी एकता कितनी संभव?

भारतीय जनता पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। पार्टी एक-एक लोकसभा सीट पर काम कर रही है। पंजाब की पटियाला लोकसभा सीट कैसे जीत सकते हैं इस योजना के तहत कैप्टेन अमरिंदर सिंह को पार्टी में लाया गया है तो पिछली बार हारी साउथ गोवा लोकसभा सीट कैसे जीतेंगे, इसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत को पार्टी में लिया गया है। यह अभी से तय माना जा रहा है कि पटियाला की मौजूदा कांग्रेस सांसद परनीत कौर अगली बार भाजपा की टिकट पर लड़ेंगी और साउथ गोवा सीट पर भाजपा दिगंबर कामत को उतारेगी।

भाजपा एक एक सीट की रणनीति पर बारीकी से काम कर रही है तो साथ ही हर प्रदेश में छोटी छोटी पार्टियों को अपने साथ जोड़ने या उनका विलय भाजपा में कराने की योजना पर भी काम हो रहा है। बिहार के दौरे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को भी मैसेज दिया। इसके बरक्स अगर विपक्ष की राजनीति को देखें तो अभी सब कुछ बहुत बिखरा हुआ दिखेगा। कई बड़े नेता विपक्षी एकता के लिए काम कर रहे हैं लेकिन कम से कम अभी यह कोई ठोस और मूर्त रूप लेता नहीं दिख रहा है।

इसका बुनियादी कारण कांग्रेस का विपक्षी पार्टियों के प्रति नजरिया है और आम आदमी पार्टी की राजनीति है। कांग्रेस पहले भी यह धारणा बनाए हुई थी कि विपक्षी एकता उसको केंद्र में रख कर ही संभव है। लेकिन अब जब राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा शुरू हुई है और उसे दक्षिण के राज्यों में अच्छा रिस्पांस मिला है उससे उत्साहित कांग्रेस अब विपक्षी पार्टियों के प्रति अपमानजनक बातें करने लगी है। कांग्रेस को छोड़ कर विपक्षी एकता की बात करने वालों को जयराम रमेश ने मूर्खों के स्वर्ग में रहने वाला बताया है। हालांकि सारी विपक्षी पार्टियां कांग्रेस को छोड़ने के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन कांग्रेस का अपना एटीट्यूड ऐसा है, जिससे विपक्षी पार्टियां बिदकेंगी। खास कर उन राज्यों में, जहां कांग्रेस मजबूत है या कांग्रेस को अपने लिए कोई संभावना दिख रही है। कर्नाटक, तेलंगाना, केरल आदि राज्यों में कांग्रेस का यह एटीट्यूड विपक्षी एकता के रास्ते में बाधा बनेगा तो कांग्रेस जिन राज्यों में बहुत कमजोर है, जैसे उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में वहां की बड़ी प्रादेशिक पार्टियों की कांग्रेस के प्रति सोच विपक्षी एकता को पटरी से उतार सकती है।

इसके अलावा आम आदमी पार्टी की राजनीति भी विपक्षी एकता के रास्ते में बाधा है। आम आदमी पार्टी बड़ी तेजी से एक के बाद एक राज्य में अपना दायरा फैला रही है और उसके लिए भाजपा से बड़ा राजनीतिक दुश्मन कांग्रेस है। कांग्रेस भी उसे अपना सबसे बड़ा दुश्मन मान रही है। जिस तरह से देश के अनेक राज्यों में अलग अलग क्षेत्रीय पार्टियों ने कांग्रेस को हटा कर उसका स्थान ले लिया उसी तरह आम आदमी पार्टी इस प्रयास में है कि जहां कोई

क्षेत्रीय पार्टी नहीं है और कांग्रेस का सीधा मुकाबला भाजपा से है वहां वह कांग्रेस को रिप्लेस करके उसकी जगह ले। इस योजना के तहत आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब में सफलता पाई और अब आगे उसकी नजर गुजरात, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों पर हैं, जहां अब भी कांग्रेस एक मजबूत ताकत है। सो, कांग्रेस नेताओं का एटीट्यूड और आप की राजनीति विपक्ष को एकजुट होने से रोकेंगे।

अब सवाल है कि अगर विपक्षी पार्टियां साथ आती हैं तो कैसे आएंगी? उसका क्या फॉर्मूला होगा, जिससे साझा विपक्ष भाजपा को चुनौती दे सकेगा? यह तो कतई संभव नहीं है कि सभी पार्टियों का सभी राज्यों में तालमेल हो। क्योंकि ज्यादातर पार्टियां एक से ज्यादा राज्य में लड़ने लायक नहीं हैं। उनके पास न संगठन है और न नेता हैं। इसलिए राज्यवार विपक्ष की साझेदारी बने और विपक्ष उन सीटों पर ध्यान केंद्रित करे, जहां पिछले चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर मिली थी या भाजपा जहां कम वोटों के अंतर से जीती है। इसकी रणनीति बनाते हुए यह ध्यान रखना होगा कि इन सीटों पर भाजपा भी अपनी रणनीति बना रही है। भाजपा 144 ऐसी सीटों पर ध्यान केंद्रित किए हुए है, जहां वह पिछली बार चुनाव हारी थी और इसके अलावा 77 ऐसी जीती हुई सीटों पर उसका फोकस है, जहां वह पिछली बार एक लाख से कम वोट के अंतर से जीती थी। इसमें कई सीटें हैं, जो पार्टी कुछ हजार वोट से जीती है। झारखंड की खूंटी लोकसभा सीट पर भाजपा दो हजार वोट से तो लोहरदगा में 10 हजार और दुमका में 45 हजार वोट के अंतर से जीती थी। इन सीटों पर भाजपा की विशेष तैयारी हो रही है। तभी विपक्षी पार्टियों को भी ऐसी सीटों पर अपनी साझेदारी बनाने और साझा उम्मीदवार उतारने की योजना पर काम करना चाहिए।

चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली संस्था सीएसडीएस ने भाजपा की कम अंतर से जीती सीटों का विश्लेषण किया है, जिससे पता चलता है कि ऐसी सीटों पर पिछले चुनाव में दूसरे और तीसरे स्थान पर रही विपक्षी पार्टियों के वोट जोड़ दें तो ज्यादातर सीटों पर भाजपा हार जाएगी। यानी विपक्ष का वोट बंटने से भाजपा जीती है। अगर एक लाख से कम अंतर से हारी 77 सीटों पर विपक्ष साझा उम्मीदवार उतार दे तो वह 50 सीटें जीत सकती है और 10-12 सीटें पर भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकती है। अगर ऐसा हो जाता है तो भाजपा की सीटें 303 से कम होकर बहुमत के 272 के आंकड़े से काफी नीचे आ जाएंगी। यह बहुत सरल विश्लेषण है। इसमें यह माना गया है कि एक लाख वोट से ज्यादा अंतर से जीती हुई सारी सीटें भाजपा फिर जीतेगी ही। ऐसी सीटों की संख्या 227 है। इनमें से 105 सीटें तो ऐसी हैं, जिन पर भाजपा तीन लाख से ज्यादा अंतर से जीती है और 59 सीटें ऐसी हैं, जिन पर उसकी जीत का अंतर दो से तीन लाख वोट का था। ऐसी सीटों पर भाजपा को ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

हालांकि इस बारे में पक्के तौर पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है क्योंकि लोकसभा चुनाव से पहले करीब 10 छोटे-बड़े राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। राज्यों के चुनाव नतीजों से बहुत कुछ बदलेगा। अभी जो धारणा बन रही है कि भाजपा जब 2024 का चुनाव लड़ने जाएगी तो उसके खिलाफ 10 साल की एंटी इन्कंबैंसी होगी और महंगाई, बेरोजगारी आदि समस्याओं की वजह से भाजपा को नुकसान हो सकता है, वह धारणा राज्यों के चुनाव नतीजों से प्रभावित होगी। अगर भाजपा हारती है तो उसके लिए 2024 में मुश्किल आएगी। लेकिन उससे पहले अभी का माहौल देख कर लगता नहीं है कि विपक्ष किसी तरह से भाजपा को सवा दो सौ सीटें से नीचे रोक सकता है। सबसे बड़ी पार्टी भाजपा रहेगी, यह तय दिख रहा है। भाजपा की सीटें कम करना भी तभी संभव है, जब विपक्षी पार्टियों में पूरी तरह से एकजुटता स्थापित हो। अगर ऐसा नहीं हुआ और विपक्ष के वोट बंटे तो फिर भाजपा को रोकना मुश्किल होगा। जहां तक कांग्रेस की बात है तो उसे भी उन्हीं राज्यों और उन्हीं सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जहां वह पिछले चुनाव में कम अंतर से हारी थी और जहां उसका जनाधार और संगठन दोनों हैं। अगर कांग्रेस इस तरह से लक्षित राजनीति करती है तो वह 30 से 35 सीटें बढ़ा सकती है यानी उसकी सीटें 80 से ऊपर जा सकती हैं।

-अजीत द्विवेदी-

स्कंदमाता

सोनल ओमर
कानपुर, उत्तर प्रदेश

स्कंद कुमार की हो माता आप,
जग से मिटाती पाप-सन्ताप।
तुम्हरी महिमा हम सब ने जानी,
तेरी कृपा से मूढ़ भी बनता ज्ञानी।
नाम अनेक है तुम्हरे माता,
तुम्ही गनपतिसुता, तुम्ही स्कंदमाता।
तू गौरी-उमा तू ही दुर्गा-काली,
भरती हो तुम अमृत रस की प्याली।
वत्सलता का तुम पाठ सिखाती,
कमलहस्त पद्मासन भी कहलाती।
नवचेतना का निर्माण करनेवाली,
सबकी तुम भर दो झोली खाली।

क्या ये इतना जरुरी है

नितेश कुमार दिवाकर
बैकुंठपुर छत्तीसगढ़

मैं तुझसे मोहब्बत करुँ
क्या ये इतना जरुरी है
तू मुझसे मोहब्बत करे
क्या ये इतना जरुरी है
तू अपने जहाँ की क्वीन
मैं अपनी दुनियां का राजा
हम दोनों की कहानी लिखना
क्या ये इतना जरुरी है
मैं तुझमे कहीं खो जाऊं
तू मुझमे कहीं खो जाये
पर हम दोनों का खो जाना
क्या ये इतना जरुरी है
दूर रहकर तुझसे मैं खुश हूँ
दूर रहकर मुझसे तू खुश है
पर हम दोनों का पास आना
क्या ये इतना जरुरी है
मासूमियत हैं तेरे चेहरे पे
मैं भी निहायती शरीफ हूँ
चेहरे पे हमें नकाब लगाना
क्या ये इतना जरुरी है
सूर्य की किरणों का चमकना
चाँद की चांदनी का दमकना
ग्रहों की दिशाओं का बदलना
क्या ये इतना जरुरी है
तेरी साँसो का मुझमे बसना
मेरी साँसो का तुझमे बसना
दोनों को जिन्दा रहने के लिए
क्या ये इतना जरुरी है
तेरी धड़कनो को मैं महसूस करूँ
तेरे जज्बातों को मैं मशहुर करूँ
मेरे सिने में तेरे दिल का धड़कना
क्या ये इतना जरुरी है

नैतिकता की पटरी से उतरती राजनीति

सत्ता का लोभ और सिद्धांतहीनता बड़ा सबब

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है,किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय और ना जाने कितने महान व्यक्तियों ने नैतिकता और संस्कृति में एकजुट होकर ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का पतन, क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई तथा इसकी दशा और दिशा मैं नैतिकता का क्षरण तथा पतन धीरे-धीरे प्रारंभ हो गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है की राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन केन प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है,और यही कारण है कि आज अधिकतर भारतीय राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, एवं उन पर मुकदमा भी चल रहा है। यह सर्व विदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है इसका उपयोग में अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। इस तरह पूरे राज्य स्वदेश के संसाधनों का किसी एक क्षेत्र में निवेश करते जाते हैं, जो अनैतिकता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। राजनीति में भाई भतीजावाद एक सामान्य बहुत चर्चित लक्षण है, कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो कोई भी बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी ,बेटे आदि को मिल जाए, इतना ही नहीं कई बार सगे संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटलिस्म यानी उद्योगपतियों एवं राजनीतिज्ञों का आपस में गठजोड़ को क्रोनी कैपिटलिस्म माना जाता है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने मैं कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीलिए संविधान तथा इस अधिनियम में जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता एवं एवं अपराधिक निर्योग्यता का प्रावधान किया जाना चाहिए जिससे राजनीति थोड़ी साफ सुथरी हो और नैतिकता तथा आत्मबल में वृद्धि हो। पढ़े लिखे, शिक्षित लोगों की राजनीति में आने से वहां का वातावरण थोड़ा शुद्ध होने की संभावना बनती है,और देश के विकास को भी बल मिलता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि सामान्यता अपराधी प्रवृत्ति लोगों को विधानसभा या लोकसभा में टिकट नहीं दी जानी चाहिए, जिससे उनका राजनीति में प्रवेश प्रतिबंधित हो सके। प्रायः देखा गया है कि अनैतिकता की शुरुआत अधिक धन के संचालित होती है। इसीलिए सभी राजनीतिक दलों के प्राप्त चंदे को ऑडिट के दायरे में लाना जाकर लाया जाना चाहिए, ताकि नैतिक चंदे से राजनीति भी नैतिक हो सके। सदनों की नियमावली में परिवर्तन करते हुए सूचना के अधिकार के अंतर्गत जिसमें पार्टियों की गतिविधियां भी आर,टी,आई के दायरे में लाई जा सके। जिससे राजनीतिक पारदर्शिता को बल मिलेगा। हाल ही में भारतीय संसद की निष्पादन क्षमता में भारी कमी आई है, क्योंकि प्रत्येक राजनीतिक दल संसद का प्रयोग राजनीतिक लाभ के लिए करने लगे हैं, इसीलिए नियमावली में परिवर्तन के साथ इस पर लगाम लगाई जानी चाहिए। इससे राजनीति में नैतिकता का क्षरण ना हो। प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि ÷मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत है

दाई तोरले गोहार

सोनु नेताम माया
रुद्री नवागांव
छत्तीसगढ़

जगमग जगमग जोत जलय
दाई तोर अंगना दुवार
नवदिन अउ नवरात ले
साज सजे हे दरबार
बईगा पंड़ा सेवा बजावय
दाई सेउंक के करबे उद्धार
दुखिया अभागा शरण म आईस
तोर महिमा हे अपरंपार
आदिशक्ति जगदंबा भवानी
तोर देवीशक्ति हे चमत्कार
पापी अधर्मी ल नाश करे
जग म लिएस अवतार
महिषासुर ल मार गिराए
दाई तोर होवत हे जयकार
आसिस मया दुलार बरसाबे
सोनु नेताम माया करत हे गोहार!!

शक्ति का प्रतीक

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

तुम सबल हो निर्बल नहीं हो शक्ती का प्रतीक तुम
अपमान को जो कर उठे दो तोड़ हो निर्भीक तुम
अब सीख लो तुम युद्ध कौशल स्वयं की रक्षा करो
हो अंश तुम दुर्गा का काली का नहीं किंचित डरो
नारी हो गर तो क्या हुआ होना नहीं भयभीत तुम
हो सबल तुम निर्बल नहीं हो शक्ती का प्रतीक तुम
माना हो करुणा सिंधु तुम ममता समेटे हृदय में
नदिया दया की बह रही अश्रु से भीगे नयन में
दुर्बल नहीं तुम भले ही मन में समाये प्रीत हो
तुम सबल हो निर्बल नहीं हो शक्ती का प्रतीक तुम
अपमान को जो कर उठे दो तोड़ हो निर्भीक तुम
संघार कर उस दुष्ट का आंचल को जो छूने उठे
दिखला के बल अपना जतन से शंख विजयी फूंक दे
तुम चिन्ह शक्ती सेना का हर पल तुम्हारी जीत तुम
तुम सबल हो निर्बल नहीं हो शक्ती का प्रतीक तुम
अपमान को जो कर उठे दो तोड़ हो निर्भीक तुम

अजनबी घर

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

वो जो तूफानों के सायों तले था पनाह बना
तिनका-तिनका जोड़ कर इक ख़्वाबगाह बना
एक मुश्त रेत सा ढह गया गोया गुनाह बना
जिसका मुसलसल गौहर हमने हर पहर किया
ता-उम्र हमने अजनबी घर में गुज़र किया
एक उम्र हो चली जो कभी आशनाई थी
ये भी गुज़िश्ता कि रुख़ शर्म-ए-रानाई थी
उन सी ही ख़ूबसूरत, उनकी परछाई थी
इस याद की शानों तले हर पल बसर किया
ता-उम्र हमने अजनबी घर में गुज़र किया
मुद्दत हुई जो इश्क़ की ख़ातिर थे मर रहे
बन लैला-मजनूं ज़िंदगी भर के वादे कर रहे
वादों-क़समों-रस्मों से थे दामन भर रहे
गेसू तले ख़्वाबीदा शाम-ओ-सहर किया
ता-उम्र हमने अजनबी घर में गुजर किया

कद

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

कितना भी बढ़ गया कद मेंरा औकात में रहा।
हर मुशकिल दौर में मेंरा ज़मीर साथ में रहा।
के नर्म नाजुक कलियों से भी आशनाई है मेंरी,
इसी के बूते दौर ए खुशबू जज्बात में रहा।
अब के कौन मिलता है यहां बिना मतलब के,
दोस्तों ये इल्ज़ाम हर एक सौगात में रहा।
दौर ए मुफ़लिसी में भी हम बहुत अमीर रहे,
जब तलक के तुम्हारा हाथ मेंरे हाथ में रहा।
न ही बात हुयी न ही दिल मिला न ही हाथ मिले,
सागर फिर क्या मजा ऐसी मुलाकात में रहा।

बेटियों को आग सी जल्लद और चट्टान सी कठोर बनाईये

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

जानें कब करवट लेगी जिंदगी कमज़ोर शब्द से उलझते थकी महिलाओं की। आज के दौर में भले ही परचम लहरा रही हर क्षेत्र में नारी, पर सदियों से अबलाओं की श्रेणी में ही शोभायमान होती आ रही है

आने वाली आधुनिक पीढ़ी की लड़कियाँ याद रखो। महिलाओं के त्याग, हुनर, सहनशीलता और समझदारी को याद रखना परिवार, समाज और इतिहास ने कभी न जरूरी समझा है, न कभी समझेगा। निगरानी, दमन या असमानता की चक्की में पीसते सदियों से स्त्री कमज़ोर शख़्सियत ही कहलाई है लड़कियाँ जन्म लेती है, अपना कर्तव्य निभाते परिवार के लिए जिंदगी खर्च करते लड़की से औरत बन जाती है। दो सिरे को जोड़ने की जद्दोजहद से उलझते उम्र के मध्याह्न में ही बुढ़ी दिखने लगती है, पर उसके त्याग की गाथा फ़र्ज़ की खूंटी पर टाँग दी जाती है।

हकदार नहीं किसी वसीहत की न दो बोल प्रशंसा की। न मायके की वारसदार होती है, न ससुराल की मिल्कियत में हिस्सेदार होती है। स्त्री के कर्मों की कथनी उसकी रीढ़ पर छपी होती है, जिसे कोई नहीं पढ़ता। तुम चुप रहो, तुम्हें कुछ नहीं आता या बोलने से पहले सोच लिया करो जैसे ताने उल्हानों के वाग्बाणों से छलनी होते उम्र काटने की आदी हो जाती है।

बहु बीमार हो तो उसे आराम करने मायके आना पड़ता है। और समाज कहता है, ÷हमारी बहु तो हमारे लिए बेटी जैसी है क्यूँ बहूओं के लिए ससुराल वालों के दिल में बेटी के प्रति जो ममता उमड़ती है वो भाव नहीं आता? हर माँ-बाप को बेटियों के भविष्य की चिंता सताती रहती है। जिस माँ-बाप की बेटी ससुराल में दुःखी होती है उनकी रातों की नींद और दिन का सुकून छीन जाता है। बेटियों के माँ-बाप ईश्वर से एक ही कामना करते है, भले बेटी की सौगात दें पर बेटी की लकीरों में सुख और खुशियों की बौछार लिखकर देना। बेटी हर माँ-बाप के जिगर का टुकड़ा होती है। बेटी का उदास चेहरा पिता का हृदय छलनी कर देता है।

कुछ लड़कियों को जब जीने की समझ आती है इतने में शादी हो जाती है। प्यार, इश्क, मोहब्बत की उम्र में कई बच्चियाँ संतानें पाल रही होती है। जब आराम करने का समय आता है, तब बीमारियाँ घेर लेती है। जब जीने का मन बनाती है तब ज़िंदगी हाथों से सरक जाती है।

हर माँ-बाप से निवेदन है कि बेटियों को पढ़ा, लिखाकर इतनी काबिल बनाओ की उसे किसीका मोहताज न होना पड़े। हर परिस्थिति से लड़ना सिखाईये और हर कला में माहिर बनाईये। बेटियाँ दो कूलों का गौरव है। बेटी के जन्म पर मुँह हरगिज़ न बनाईये बेटी को उसके हर अधिकार और हक का उपहार दीजिए। समाज से प्रार्थना है बेटियों का, महिलाओं का सम्मान कीजिए। बेटे के समान लालन-पालन करके बेटियों को उनके जन्म लेने पर गौरवान्वित कीजिए तभी समानता दिखेगी।

मेरे तो सत्ता गोपाल...

मेरे तो गिरधर गोपाल गाने के दिन सो बीत गये । सन् 1950 से पहले तक भी गिरधर गोपाल जनमानस के जेहन में थे । पूर्ण पवित्रता के साथ तब समाज बंटा नहीं था, एक था । लेकिन इस देश के सत्ताधीशों का लोकतंत्र से पाणिग्रहण होने के बाद जीवन के मकसद, अर्थ, प्रयोजन ही, बदल गये । समाज की सतह पर वाचाल बाजीगर उभर आये, जो सार्वजनिक मंचों पर निहायत सफेद झूठ को पूर्ण आत्मविश्वास के साथ सत्य के रूप में परोसते रहे और झूठे वादे करते रहे । सत्तर साल से लोकतंत्र की यह रामलीला हर चुनाव के नाम पर, पाँच साल बाद पूर्ण साजधज्जा से सजाई जाती रही है । आश्वासनों के षट् व्यंजन सत्ता समारोह के लिए परोसे जाते हैं । देश भक्ति और राष्ट्रीय अनुराग की लोली पोप चूसने के लिए बॉंटी जाती है, जिन्हें भूखा बोटर पाँच साल तक चूसता रहता है । ये ठप्पा बरदार डिब्बा सरदार ई.वी.एम. के पंख पर सवार होकर सत्ता मन्दिर तक पहुँच जाते हैं । गोबरी लाल से करोड़ी लाल बन जाते हैं और फिर भजन मंडली में खड़ताल लेकर नाचते गाते नजर आते हैं --मेरे तो सत्ता गोपाल, दूसरो न कोई / जासो मिले झंडी कार, मेरो पति सोई । तो राष्ट्रीयता के पुजारी जो कभी गरीबों के आँसू पोंछने निकले थे और जिन्होंने रावी के तट पर कसम खाई थी कि हर बेईमान को बिजली के खम्भे पर टांग दिया जावेगा, अब सत्तर साल बाद गुनगुना रहे हैं कि राम तेरी गंगा मैली हो गयी, पापियों के पाप धोते-धोते भी, हमारे देश में गंगा में मैल धोने की प्रक्रिया दशकों से चल रही है । रिश्वत खोर अफसर, मुनाफाखोर ठेकेदार करोड़ों रुपये डकार गये, पर गंगा के मैल न धुले थे, न धुलेंगे । पिछली आधी शताब्दी से गंगा सफाई का करोड़ों रुपया डकार गये । दशकों से करोड़ों पापी, पाप धोने का अभिनय करते रहे हैं और करते रहेंगे । मानसी गंगा में नहाओ, वह जो तुम्हारे भीतर बह रही है । पाप धोने का ढोंग सार्वजनिक क्यों कर रहे हो । कर्मों की पवित्रता ही उसका फल है, यही सुख और संतोष है । कुंभ स्नान तो राष्ट्रीय एकता का पवित्र अनुष्ठान है, उसे चलने दो । कुंभ के महान आशय राष्ट्रीय एकता को राजनीति के कीचड़ में मत घसीटो । लोगों का धर्म पर से विश्वास ही उठ जायेगा, जैसे जनप्रतिनिधियों के प्रति उठ रहा है । जनता अब सोचती है कि वोट के मंगते भिखारी, सत्ता का स्वाद चखने के लिए हर पाँच साल बाद दरवाजे पर झुक-झुक कर सलाम करते हैं । इन गोबरी लालों को तो सिर्फ देश की सेवा करनी है । गली और मौहल्ले की नहीं । भले ही सैकड़ों निरीह नकली शराब पीकर मर जायें, सियासत चलनी चाहिये । ऐसे भी देश सेवक हैं, जिनके पिताजी तो वृद्धाश्रम में हैं, माताजी बरतन मांजती फिर रही हैं, औलादें चाकू की नौंक दिखाकर दुर्योधन बने घूम रहे हैं । ऐसे महान संस्कारी श्रवण कुमार अब देश की सेवा के लिए आपके द्वार पर दस्तक दे रहे हैं ।

-अजय दीक्षित-

हे जगदंबा

कमलेश झा
नगरपारा
बिहार

हे जगदंबा हे जग तारा
तुम ही हो दुर्गा के रूप।
हे शैलपुत्री हे अंबे गौरी
तुम ही हो माता के रूप ।।
बीच भंवर में नैया डोले
कोई ना अपना खेवन हार ।
आश तुमसे लगी हे माता,
अब तो करवा दो भवसागर पार
।।
छल कपट से भरे पड़े हैं
फिर भी तेरे हैं संतान।
कटुता मन से दूर करो माँ
हम तो बस तेरी संतान।।
पूत कपूत होते हैं माता
पर तुम तो हो करुणा के खान ।
प्रदान करो हे माता तुम
सुख समृद्धि और विद्या का दान
।।
इस जग के तो सारे रिश्ते
स्वार्थ के आधार पर।
पर अपना माँ बेटे का रिश्ता
यह तो केवल प्यार पर ।।
दया दृष्टि हेरो हे माता
हम तो तेरे बालक हैं ।
बालसुलभ गलती को क्षेमो
हमतो तेरे बालक हैं ।।
तुमने तारे बहुत ही पापी
जिसके पापों की थी भरमार ।
तुमने मारे कई असुर
जिससे त्रस्त था संसार ।।
अब आंखें क्यों फेरा है
माता कष्ट झेल रहा संसार ।
हम अबोध बालक हैं माता
फैला दो आंचल का प्यार ।।
सिंह वाहिनी खप्पर वाली
केसरी पीठ विराजे तुम ।
नौ हाथों में शस्त्र लिए
दानव दमन कराओ तुम ।।
मन के अंदर बैठे अहंकार को
मिट्टी में मिला दो तुम ।
घर समाज के प्यार को
पुनः जागृत करा दो तुम ।।
इस नर तन में कई अवगुण है
जिसका मर्दन कर दो तुम ।
सरल और नेक जनमानस के
हृदय में परिवर्तित कर दो तुम
।।
ब्रह्मचारी वाले गुण को
कलुषित मन में भर दो तुम ।
मन विचलित हो जब मानव का
शांति ज्ञान करा दो तुम ।।
शक्ति रुप हे माता तुम,
तुम ही हो जग के आधार ।
करुणामई दृष्टि डालो हे माता
हम बालक है निराधार ।।
शिव सहचरी ,विष्णु प्रिया तुम ,
तुम ही शारदा भवानी हो ।
इस भूवन के सभी चरा-चर
के तुम तारण हारी हो ।।
कष्ट हरो हे माता जग का
यह जग है तेरी संतान ।
हम सब तो बालक हे माता
हैं बस तेरी संतान ।।
राह दिखाओ हे माता
कर्म पथ हो कैसे महान
प्रदान करो अपना आशीष
हे माता हम तो बस तेरी संतान
।।

क्या मेरी पहचान है

पूनम शर्मा स्नेहिल
जमशेदपुर, बिहार

कोरे वस्त्र से ज्यादा तो,
अधरों का मौन दर्द देता है।
क्यों समाज हमसे हमारी,
सारी खुशियां छीन ही लेता है ।
चुटकी भर सिंदूर से जग में,
हर इक हक मिल जाता है ।
कहो सुहागन को फिर क्यों ,
रौंदा कुचला जाता है ।
बाबुल की बिटिया भी मैं ,
और भाई की बहना भी थी।
मां के आंगन की बुलबुल और ,
मां का सारा गहना भी थी ।
राजकुमारी पीहर कि मैं ,
बापू का अभिमान भी थी ।
बचपन बीता यौवन आया,
क्या मेरा अपराध ये था ।
रस्मो की बेड़ी में बंधना ,
नहीं मुझे स्वीकार कभी था।
दिल पर दस्तक ख्वाबों की,
और आसमान के सपना था।
तोड़ने वाले उन ख्वाबों को,
अफसोस मेरे पर अपने थे ।
उड़ती चिड़िया को पल में ,
रस्मो का कैदी फरमाया था।
चुटकी भर सिंदूर के बदले ,
आजादी हमने गवाया था ।
ना पूछा ना बात किया ,
ना सपनों को आवाज दिया था।
जहां भी भेजा मात पिता ने ,
पग को वही बढ़ाया था ।
कुछ हंसती कुछ खेली भी,
कुछ भरी जवानी उजड़ गई थी।
उड़ती चिड़िया के पर मानों,
पल में सारे बिखर गए थे।
दूजे घर के ताने से हर रोज,
ही उस पर वार हुआ था।
उसकी हर खुशियों पर मानों ,
दुनिया का अधिकार हुआ था।
क्यों मौन अधर अब उसके हैं,
क्यों अश्क को आंखों में रोके था।
चूड़ी बिंदी पहचान नहीं थी,
वो चीख चीख कर कहती थी।
दर्द छुपा कर फिर भी दिल में ,
मौन सदा ही रहती थी ।
आवाज हमारी इतनी है ,
बस खुलकर हमको जीने दो ।
दया तुम्हारी नहीं चाहिए ,
सुख-दुख खुद में जीने दो ।
मैं भी अधिकारी जीने की,
बेड़ी में मुझको ना बांधो ।
चुटकी भर सिंदूर से मेरी ,
खुशियों को तुम ना साधो।
कोरे वस्त्र से ज्यादा तो,
अधरों का मौन दर्द देता है।
क्यों समाज हमसे हमारी,
सारी खुशियां छीन ही लेता है ।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

टीएस सिंह देव आगे आएं और ग्रामीणों में व्याप्त भय और भ्रम दूर करें

टीएस बाबा वादा निभाओ,गोली खाकर पेड़ बचाओ के नारों से गूंजा व्हॉइट हाउस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
परसा ईस्ट केते बासेन कॉल ब्लॉक एरिया के 43 हेक्टेयर भूमि में लाखों पेड़ों की अंधाधुंध कटाई किए जाने के विरोध में कथा स्थानीय विधायक एवं मंत्री टी एस सिंह देव के एक भी पेड़ नहीं कटने दूंगा भले मुझे गोली खानी पड़े वाला बयान देकर आम जनता के साथ धोखा किए जाने के विरोध में भाजपा सरगुजा ने टी एस सिंह देव के निवास का घेराव किया। भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व तथा भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव, सूरजपुर जिला अध्यक्ष बाबूलाल गोयल, पूर्व ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज, पूर्व विधायक विजय नाथ सिंह, वरिष्ठ नेता त्रिलोक कपूर कुशवाहा एवम जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता की उपस्थिति में भाजपा वरिष्ठ नेताओं पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का

हुजूम रैली की शक्ल में जब पुराने बस स्टैंड से निकलकर तपस्या पहुंची तो ÷टीएस सिंह देव वादा निभाओ गोली खाकर पेड़ बचाओ÷ के नारों से व्हाइट हाउस गूंज उठा। आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ताओं के टीएस एवं कांग्रेस के खिलाफ जोरदार नारेबाजी से माहौल गरमा गया तथा व्हाइट हाउस की सुरक्षा में तैनात पुलिस बलों के साथ तीखी झड़प भी हुई। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने टी एस सिंह देव पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जनता से वादा किया था कि एक भी डगाल नहीं कटेगी यदि गोली खानी पड़ी तो पहली गोली मैं खाऊंगा, आज लाखों पेड़ कट गए परंतु झूठे बयान देने वाले स्थानीय विधायक और मंत्री का कहीं अता पता नहीं है, स्थानीय ग्रामीणों में भय और भ्रम की स्थिति निर्मित हो गई है, सुरक्षा में लगे पुलिस द्वारा ग्रामीणों को प्रताड़ित किया जा रहा है तथा वन कटाई क्षेत्र में जाने से रोका जा रहा है, ऐसे में क्षेत्र के विधायक एवं वर्तमान सरकार में कैबिनेट मंत्री टीएस सिंह देव सामने आकर वस्तुस्थिति स्पष्ट करें तथा पेड़ों को कटने से बचाने के लिए सार्थक पहल करें।
इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रशांत त्रिपाठी, फुलेश्वरी सिंह, अरुणा सिंह, विनोद हर्ष, डी के पुरिया, देवनाथ पैकरा, रोशन गुप्ता, विजय व्यापारी, राधे श्याम ठाकुर, विकास पांडे, संतोष दास, रूपेश दुबे, मधुसूदन शुक्ला, राजकुमार बंसल, अभिषेक शर्मा, संजय सोनी, विश्व विजय तोमर, जन्मेजय मिश्रा, विद्यानंद मिश्रा, सर्वेश तिवारी, अजय प्रताप सिंह, रामप्रवेश पांडे, दीपक तोमर, छोटू थॉमस, अनामिका पैकरा, दीक्षा अग्रवाल, संजीव वर्मा, प्रेमानंद तिग्गा, वीरेंद्र बघेल, वसीम अंसारी, अंशुल श्रीवास्तव, अनिल सिंह, वैभव सिंह देव, महेंद्र सिंह, रजनीश पांडे, श्रवण दास, बालनाथ यादव, रज्जुराम, निश्चल सिंह, निलेश सिंह, मनोज कंसारी, अनिल जयसवाल, राम केश्वर राजवाड़े, निरंजन राय, उमेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल नेता, पंकज गुप्ता, शंभू सोनी, बबलू गुप्ता, मनोज सोनी, वेदांत तिवारी, वीर सोनी, शानू कश्यप, रोचक गुप्ता, दुर्गा शंकर दास, मनीष बारी, हर्ष जयसवाल, रवि जायसवाल, दीपक यादव, अनीश सिंह, अखंड विधायक सिंह, चंद्र बसु यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पेड़ कटाई और पेड़ लगाई में दब गई पढ़ाई,कमाई और दवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
हसदेव क्षेत्र में एक दशक से भी अधिक समय से चल रहे पेड़ कटाई और पेड़ लगाई विवाद में सर्वाधिक नुकसान भावी पीढ़ियों को हुआ। स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका और नीचे गई। नंगे पांव सत्याग्रह का सरोकार क्षेत्र में पढ़ाई, कमाई और दवाई से है। इन तीनों मुद्दों पर सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक कॉरपोरेट नेतृत्व द्वारा नजरअंदाज किया जाना बेहद अफसोसजनक है। हमारा सरोकार सरगुजा संभाग के हसदेव क्षेत्र में उपरोक्त मुद्दों को लेकर है। हमने वर्ष 2012-13 में धोखाधड़ी पीड़ित केते परसा निवासी भज्जू राम गोंड का मुद्दा दमदारी से लड़ा था और दोषी जेल दाखिल हुआ। यहां भज्जू राम अनेकों होंगे,

लेकिन दुर्भाग्यवश ज्यादातर दोषी प्रभावशाली लोग रहे, इसलिए किसी का ध्यान ऐसी घटनाओं पर नहीं गया। राजनैतिक नेतृत्व ने वहां स्थानीय नेता भी पैदा नहीं होने दिया, ले दे कर एक ही नाम नजर आता है और वो है बालसाय कोर्राम। उन्हें भी बलि का बकरा बनाया जा रहा है, आंदोलन करते समय नेता गण और जेल जाने के लिए कोर्राम। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को छोड़कर सभी राजनैतिक दल पशोपेश की स्थिति में हैं। इसलिए सामाजिक क्षेत्र का दायित्व और बढ़ जाता है और इसीलिए हमें हस्तक्षेप करना पड़ा। ताजी जनगणना के मुताबिक गोंड़ -कंवर बाहुल्य साल्ही में 1315 की जनसंख्या में मात्र 730 लोग साक्षर हैं; घाटबर्रा में 1395 में मात्र 642; हरिहरपुर में 298 में मात्र 139; जनार्दनपुर में 423 में 200 और फतेहपुर में 469 में 209 लोग साक्षर हैं। साक्षरता की स्थिति जब पचास फीसद से नीचे है तो शिक्षा की स्थिति निश्चित ही सोचनीय होगी। स्वास्थ्य की मुख्य समस्याओं में चर्मरोग व रक्त अल्पता है। भवन विहिन अस्पताल भी हैं क्षेत्र में।आजीविका मिशन की स्थिति और विचित्र व आश्चर्यजनक है, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सिर्फ और सिर्फ कागजों में है।
वर्तमान ही जब दुरूस्त नहीं है तो भविष्य का क्या होगा? हमने हमेशा आगे की सोची है, 23 साल पहले जब नंगे पांव हुए थे, उस समय हमारे द्वारा उठाए गए मुद्दे आज की नीतियां हैं। ठीक इसी तरह आज जो मुद्दे उठाए जा रहे हैं, उनका परिणाम हसदेव क्षेत्र का विकास और शोषण मुक्त हसदेव होगा। आने वाले समय में यहां से प्रशासनिक अधिकारी व विधायक होंगे। यहां के लोग अपनी दशा व दिशा खुद तय करेंगे।

11 हाथियों का दल उदयपुर वन परिक्षेत्र में जमाया डेरा

फसलों और घरों को पहुंचा रहा नुकसान ,वन विभाग द्वारा की जा रही सतत निगरानी

-संवाददाता-
उदयपुर ,29 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
वन परिक्षेत्र उदयपुर अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्रामों में 11 हाथियों का दल लगातार विचरण कर रहा है इस दौरान इन लोगों के द्वारा किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है साथ ही कुछ घरों को भी तोड़ा गया है ।
विदित हो कि 20 सितंबर से 11 हाथियों का दल प्रेम नगर की ओर से उदयपुर वन परीक्षेत्र आया हुआ है जोकि महेशपुर मानपुर शायर कुमडेवा उपकापारा लक्ष्मणगढ़ सानीबर्रा सुखरी भंडार फूनगी सहित अन्य ग्रामों के जंगलों में विचरण कर रहा है। वन विभाग कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार हाथियों के द्वारा अब तक लगभग 12 हेक्टेयर फसलों को नुकसान

पहुंचाया गया है। जंगल किनारे के लगभग आधा दर्जन से अधिक कच्चे के मकानों को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचाया गया है।
डीएफओ पंकज कमल के नेतृत्व में वन अमला द्वारा अलग अलग टीम बनाकर हाथियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है।
आज मकान क्षति हुई थी इसका नाम रतन पिता मंगलू, मंगलू पिता आगर साय
11 हाथियों के दलों द्वारा शासकीय उद्यान झिरमिटी के परिसर पर भी काफी उत्पात मचाया गया है केला के पौधों को खाया गया है साथ ही प्लास्टिक में लगाए गए छोटे-छोटे पौधों को भी नुकसान पहुंचाया गया है जिमीकंद इत्यादि फसलों को भी नुकसान हुआ है। फैंसिंग तार को भी तोड़ा गया है

दुर्गोत्सव में महिलाओं व बच्चों ने किया गरबा व डांडिया नृत्य

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर का माहौल पूरी तरह से भक्ति में है। हर जगह धार्मिक आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे हैं। मणिपुर, दर्रीपारा में अनोखी सोच संस्था द्वारा मनाए जा रहे दुर्गा पूजा महोत्सव डांडिया गरबा नृत्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाएं व बच्चों ने जमकर डांडिया व गरबा नृत्य किया। डांडिया उत्सव में महिलाएं व बच्चों ने अपने पारंपरिक रंगीन पोशाक में उत्सव का आनंद लिया। डांडिया की बेहतरीन प्रस्तुति देख दर्शक दीर्घा में बैठे सैकड़ों लोगों को डांडिया करने पर

मजबूर कर दिया। डांडिया गरबा नृत्य के साथ साथ शंख बजाने की प्रतियोगिता आयोजन की गई। इस प्रतियोगीता में 20 बच्चों ने भाग लिया । शंख बजाओ प्रतियोगीता में विजेता भावेश चटर्जी हुए । आयोजकों ने कहा अपने आराध्य देवों को प्रसन्न करने के लिए नए पीढ़ियों में शंख बजाने की कला को बनाए रखने के लिए यह आयोजन किया गया है । कार्यकम के सफल संचालन में संस्था अध्यक्ष सूर्य प्रकाश साहू , कोषाध्यक्ष अभय साहू , सचिव पंकज चौधरी जी के साथ संस्था के सभी सदस्यों ने अपना योगदान दिया ।

शराब के नशे में युवक ने अपने चाचा के ऊपर सिलबट्टे से किया जानलेवा हमला,मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हसूली में बुधवार की दोपहर एक युवक ने शराब के नशे में अपने चाचा के सिर के ऊपर सिलबट्टा से जानलेवा हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी रिश्तेदारों को मोबाइल से घटना की जानकारी देकर मौके से फरार हो गया। वहीं आहत को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
जानकारी के अनुसार जयराम कंवर पिता स्वर्गीय रघुवीर उम्र 55 साल ग्राम हसूली थाना कोतवाली का रहने वाला था। बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे घर में था। इस दौरान शराब के नशे में जयराम का भतीजा महादेव आया और किसी बात को लेकर विवाद करने लगा। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर

महादेव ने घर में रखे सिलबट्टे से अपने चाचा जय राम के सिर पर जानलेवा हमजा कर दिया। इससे जयराम मौके पर ही बेहोश हो गया। इसके बाद महादेव ने घटना की जानकारी मोबाइल से उसके रिश्तेदारों को दी। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। वहीं परिजन आहत को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए जहां चिकित्सकों ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

शहीद ए आजम भगत सिंह के 115 वें जन्म दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
शहीद ए आजम भगत सिंह के 115 वें जन्म दिवस पर शहर के कई जनवादी और प्रगतिशील संगठनों के प्रतिनिधियों एवं सदस्यों द्वारा अंबिकापुर के घड़ी चौक पर विवेकानंद मूर्ति के पास शहीद भगत सिंह के विचारों को पोस्टर्स के माध्यम से प्रदर्शित करते हुए उनके चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए और इंकलाब जिंदाबाद के नारों से शहीद भगत सिंह को क्रांतिकारी श्रद्धांजलि अर्पित की।
वक्ताओं ने इस मौके पर सभा को संबोधित किया , फादर निर्दोष एक्का ने उन्हें समाजवाद के विचारक के रूप में, छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान सभा के अनिल द्विवेदी ने पूंजीवाद और

साम्राज्यवाद के विरोधी तथा किसान- मजदूरों के सच्चे हितैषी के रूप में प्रतिपादित किया। प्रलेस के वेद प्रकाश अग्रवाल ने भगत सिंह द्वारा दिए गए बलिदान को सर्वोच्च बताया। ट्रेड यूनियन के प्रवक्ता अनंत सिन्हा ने वर्तमान समय में भारत में फैलते पूंजीवाद पर चिंता जताई, जिनके कारण पर्यावरण दूषित हो रहा है और किसान अपनी जमीनों से उजड़ रहे हैं। आशा शर्मा ,मिंटू बाबरा, चरणप्रीत सिंह, गणेश मिश्रा ने कला केंद्र में शहीदों की मूर्तियों को स्थापित करने की आवाज उठाई। इस मौके पर इप्टा के प्रितपालसिंहअरोड़ा,संजय गोड़े और उर्स लाइन की सिस्टर्स ,पंजाबी युवा समिति के अमनदीप सिंह ,पवनदीप सिंह, ऐप्स के अशफाकअली सक्षम गुप्ता, अजीत एक्का इत्यादि उपस्थित थे। तत्पश्चात सभी ने निगम महापौर, सभापति अजय अग्रवाल ,तथाइसी संबंध में जिलाधीश महोदय को ज्ञापन सौंपकर,कला केंद्र का नाम शहीदों के नाम पर रखने एवं वहां शहीदों की मूर्तियों की स्थापना करने का कई संगठनों के हस्ताक्षरित ज्ञापन के माध्यम से आग्रह किया। ताकि आने वाली पीढ़ियां शहीदों के द्वारा दिए गए बलिदान को याद रखें,उन्हें भूल न जाएं।कार्यक्रम का संचालन किरण सिन्हा ने किया संयोजन तथा आयोजन शहीद भगत सिंह अकादमी का था।

हसदेव में काटे जा रहे पेड़ों के विरोध में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी ने दिया धरना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी, (मार्क्सवादी) सीपीआईएम की सरगुजा एवं सूरजपुर जिला कमेटियों के पदाधिकारियों द्वारा अंबिकापुर में स्टेट बैंक कलेक्ट्रेट ब्रांच के सामने उपस्थित होकर हसदेव में काटे जा रहे पेड़ों की अवैध कटाई पर रोक लगाई जाए एवं शासन प्रशासन द्वारा आम जनता से क्षमा मांगने अन्यथा

भूपेश सरकार इस्तीफा दो आदि मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन स्टेट बैंक कलेक्टोरेट ब्रांच के सामने पर किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम पर कलेक्टर सरगुजा के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञात हो कि विगत दो-तीन दिनों से हसदेव जंगल के आसपास के क्षेत्र को पुलिस छावनी में बदल कर हजारों की संख्या में पुलिस को लगाकर हजारों की संख्या में पेड़ काट डाले गए हैं वहां पर आंदोलनरत आदिवासी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है एवं क्षेत्र में आमजन एवं मीडिया को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है ।पर्यावरण तथा पेड़ों की कटाई क्रूरता पूर्वक किया जा रहा है ।विगत 10 वर्षों से क्षेत्र की जनता एवं छत्तीसगढ़ की जनता हसदेव के जंगलों को बचाने में लगी हुई है इस पुनीत कार्य में पूरा छत्तीसगढ़ ही लगा हुआ है। किंतु वर्तमान कांग्रेस की भूपेश सरकार द्वारा जन भावनाओं के विरुद्ध जाकर राजधानी एवं केंद्र के मोदी सरकार के दबाव में आकर यह क्रूरता किया जा रहा है ।ज्ञापन में भूपेश सरकार को याद दिलाया गया है कि उसने और उनके एक मंत्री ने वायदा किया था कि एक भी पेड़ नहीं काटे जाएंगे । इतना ही नहीं भूपेश बघेल द्वारा पिछले चुनाव में क्षेत्र की जनता से हसदेव जंगल नहीं काटने का वायदा कर वोट प्राप्त किया गया था और इस आशय का विधानसभा में संकल्प भी पारित किया गया था। किंतु अपने ही वायदो /संकल्पों के विरुद्ध जाकर आम जनता को धोखा देकर उन्हें बंदी बनाकर भूपेश सरकार इन पेड़ों को कटवा रही है और स्वयं केरल में राहुल गांधी के साथ घूम रहे हैं । जैसे पूरा रोम जल रहा था और नीरो बंशी बजा रहा था ठीक उसी प्रकार का कृत्य मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किया गया है धोखा किया गया है ।ज्ञापन में कहा गया है कि भूपेश जी आपको क्षेत्र की जनता कभी माफ नहीं करेगी और छत्तीसगढ़ बल्कि यूं कहें कि पूरे मध्य भारत उत्तर छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ने के इतिहास में आपका योगदान स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा और आपको इतिहास माफ नहीं करेगा। ज्ञापन में मांग किया गया है कि तत्काल पेड़ों की कटाई पर रोक लगाया जाए, एवं दोषी अधिकारियों कर्मचारियों को दंडित किया जाए तथा शासन प्रशासन द्वारा गिरफ्तार आदिवासी व्यक्तियों और तमाम अन्य व्यक्तियों को तत्काल रिहा किया जाए ।आम जनता एवं मीडिया को जंगल में प्रवेश कर कितने पेड़ काटे गए इस बात का आकलन करने की छूट दी जाए एवं भूपेश सरकार तथा कांग्रेस, शासन प्रशासन क्षेत्र की आम जनता से माफी मांगे और पश्चाताप करें अन्यथा भूपेश सरकार इस्तीफा दे।

मोटी रकम देकर प्रभारी कार्यपालन अभियंताओं के पद पर बने रहने के मामले में जांच का आदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
मामला मोटी रकम लेकर छत्तीसगढ़ के बहुत से जिलों के अलावा बलरामपुर जिले में कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड बलरामपुर में आदित्य प्रताप सिंह सहायक अभियंता को वरिष्ठ अधिकारियों का स्थानांतरण कर वरिष्ठ अधिकारियों के पद पर गलत तरीके से प्रभार दिए जाने के संबंध में शिकायत आवेदन तथा आदित्य प्रताप सिंह के अलावा अन्य जिलों के प्रभारी कार्यपालन अभियंताओं को प्रभाव से हटवाए जाने के संबंध उक्त मामले में डीके सोनी अधिवक्ता एवं आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा दिनांक 26 अगस्त 2022 को एक शिकायत आवेदन भूपेश बघेल मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर नया रायपुर का आदेश क्रमांक एफ 1-02/2022/34-1 दिनांक 8/7/2022 संदर्भित आदेश द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड दुर्ग, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, जशपुर सूरजपुर, कबीरधाम, बैकुंठपुर में पदस्थ वरिष्ठ कार्यपालन अभियंताओं को स्थानांतरित कर कनिष्ठ अधिकारी (सहायक अभियंताओं) को प्रभार दिया गया है। 28 जिलों में कार्यपालन अभियंता के पद हैं जबकि 23 कार्यपालन अभियंता उपलब्ध है शेष रिक्त पदों में वरिष्ठ सहायक अभियंता को पदोन्नत कर अथवा वरिष्ठता के आधार पर प्रभार सौंपाना चाहिए था लेकिन इसके विपरीत 14 जिलों में सहायक अभियंताओं को प्रभारी कार्यपालन अभियंता मनाया गया है तथा वरिष्ठता का ध्यान नहीं रखा गया है, बल्कि सरल क्रमांक 35 मनोज कुमार ठाकुर तथा 44 आदित्य प्रताप सिंह को बलरामपुर जिले में प्रभार सौंपा गया है जबकि उनके उनसे वरिष्ठ से 20 सहायक अभियंता आज भी उपलब्ध है

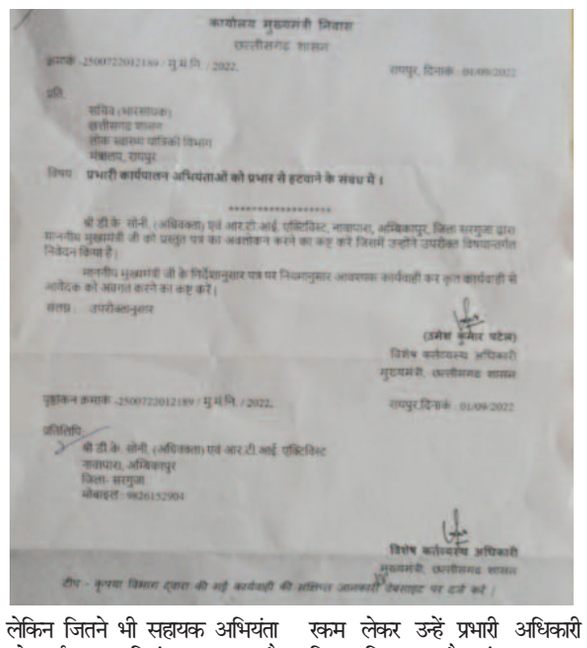

लेकिन जितने भी सहायक अभियंता को कार्यपालन अभियंता बनाया गया है उनसे 50-50 लाख रुपए की मोटी रकम लेकर उन्हें प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है एवं शासन द्वारा बनाए गए नियमों को दरकिनार कर दिया गया है। 14 जिले में जहां पर सहायक अभियंता को प्रभारी कार्यपालन अभियंता बनाया गया है उन जिलों में शासन द्वारा चलाए जा रहे जल जीवन मिशन योजना में करोड़ों अरबों रुपए के कार्य में लीपापोती की जा रही है और भ्रष्टाचार किया जा रहा तथा कार्य की गुणवत्ता काफी खराब है एवं ठेकेदारों से मोटे कमीशन की राशि लेकर कार्य की गुणवत्ता को देखे बिना करोड़ों रुपए की राशि का भुगतान प्रभारी कार्यपालन अभियंता के द्वारा किया जा रहा है इसलिए प्रभारी कार्यपालन अभियंताओं को तत्काल हटाते हुए अधिकारी एवं अनुभवी व्यक्तियों की नियुक्ति कर सभी योजनाओं का संचालन सुचारु रुप से कराया जाना आवश्यक है। बलरामपुर जिले में वर्तमान में पदस्थ प्रभारी कार्यपालन अभियंता आदित्य प्रताप सिंह जो कि सहायक अभियंता के पद पर है एवं सहायक अभियंता के पद पर काफी कनिष्ठ हैं सहायक अभियंता के पद पर भी इनसे वरिष्ठ सहायक अभियंता विभाग में उपलब्ध हैं लेकिन आदित्य प्रताप सिंह अपने राजनैतिक पकड़ एवं वरिष्ठ अधिकारियों से मेल मिलाप कर उन्हें प्रभावित कर प्रभारी कार्यपालन अभियंता का पद प्राप्त किया गया है जो कि नियमतः गलत है इसलिए भी तत्काल प्रभाव से प्रभारी कार्यपालन अभियंता आदित्य प्रताप सिंह को हटाते हुए उनके मूल पद पर भेजा जाना नियमतः आवश्यक है। जिससे कि शासन के सभी योजनाओं का संचालन सही तरीके से कराया जा सके। जिस पर उक्त शिकायत की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन रायपुर के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी उमेश कुमार पटेल द्वारा दिनांक 1/9/2022 को सचिव (भारसाधक) छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर को पत्र लिखते हुए डी0के0 सोनी द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर कृत कार्यवाही से आवेदक डी0के0 सोनी को अवगत करने को निर्देशित किया गया है।

अनूप बने दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष

-संवाददाता-
दतिमा मोड़ ,29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।
विकासखण्ड के राई दर्रीपारा स्थित दुर्गा पंडाल प्रांगण में दुर्गा पूजा को लेकर बैठक उपसरपंच दीपक जायसवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के पूर्व अध्यक्ष राजेश यादव के द्वारा विगत वर्ष की आय एवं व्यय का ब्यौरा दिया गया। इस बार ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से राई निवासी अनूप जायसवाल को समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवमनोनित अध्यक्ष श्री अनूप जायसवाल ने कहा कि कहा कि विगत दो वर्षों से कोरोना के कारण सरकार द्वारा जारी गाईडलाईन का पालन करते हुए दुर्गा पूजा किया गया। इस वर्ष राई में धूमधाम से दुर्गा पूजा मनाया जाएगा। ग्राम पंचायत राई सरपंच दुर्गा सिंह पैकरा के साथ स्थानिय ग्रामीण का भरपूर सहयोग मिल रहा है। खासकर युवाओं का

उत्साह चरम पर है। आज 30 सितंबर पंचमी के शूभ अवसर पर दुर्गा प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। महाअष्टमी 3 अक्टूबर को भव्य भंडारा सहित सैला नृत्य का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात 4 अक्टूबर को महानवमी के अवसर पर रात्रिकालीन कोरबा की प्रसिद्ध टीम प्रियंका चंद्रा व काजल चंद्रा एंड ग्रुप के द्वारा जगराता व रंगारंग छत्तीसगढ़ी, नागपुरी, भोजपुरी कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।

ग्राम पंचायत पोड़ीकला का सचिव हुआ निलंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 सितम्बर 2022(घटती-घटना)।
गोधन न्याय योजना के कार्य में लापरवाही के कारण जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार लंगेह ने ग्राम पंचायत पोड़ीकला के सचिव श्री देवेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया है।जारी आदेश में कहा गया है कि अम्बिकापुर जनपद के ग्राम पंचायत पोड़ीकला के सचिव श्री देवेंद्र सिंह के द्वारा गोधन नीयय योजना के कार्य मे रुचि नही लेने, प्रतिदिवस गोबर खरीदी की प्रविष्टि नहीं करने तथा समय पर वर्मी कम्पोस्ट निर्माण में समस्या होने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में मुख्यालय जनपद पंचायत कार्यालय अम्बिकापुर नियत किया गया है। निलंबन अवधि में श्री सिंह को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

CMYK

सरकार ने तीसरी तिमाही के लिए कुछ लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दर 0.3 प्रतिशत बढ़ाई

नयी दिल्ली, 29 सितम्बर 2022। सरकार ने कुछ लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में 0.3 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। अर्थव्यवस्था में इस समय ब्याज दरें मजबूत हो रही हैं, जिसके मद्देनजर सरकार ने यह कदम उठाया है। हालांकि नौकरीपेशा लोगों के बीच लोकप्रिय बचत योजना लोक भविष्य निधि (पीपीएफ) पर ब्याज 7.1 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। इस संशोधन के बाद डाकघर में तीन साल की जमा पर अब 5.8 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। अभी तक यह दर 5.5 प्रतिशत थी। इस तरह चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में ब्याज दर में 0.3 प्रतिशत की वृद्धि होगी। वित्त मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही के लिए वरिष्ठ नागरिक बचत योजना पर अब 7.6 प्रतिशत का ब्याज मिलेगा।

अभी तक इस योजना पर 7.4 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। किसान विकास पत्र के संदर्भ में सरकार ने इसकी अवधि तथा ब्याज दर दोनों में संशोधन किया है। इसके तहत किसान विकास पत्र पर ब्याज अब 7.0 प्रतिशत होगा जो पहले 6.9 प्रतिशत था। अब यह 124 महीने के बजाए 123 महीने में परिपक्व होगा।

भारतीय रिजर्व बैंक मई से प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है। इसके चलते बैंक जमा पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहे हैं। अधिसूचना के अनुसार लोक भविष्य निधि (पीपीएफ) पर ब्याज 7.1 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। सुकन्या समृद्धि योजना पर भी ब्याज दर 7.6 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। पांच साल की 'रेकरिंग' जमा पर ब्याज पहले की तरह 5.8 प्रतिशत मिलेगा।

सेल ने पहली बार एक लाख करोड़ का कारोबार किया : मंडल

नयी दिल्ली ,29 सितंबर 2022। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की अध्यक्ष सोमा मंडल ने आज कहा कि वर्ष 2021-22 में उनकी कंपनी ने पहली बार एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार करने का रिकार्ड बनाया है।

श्रीमती मंडल ने आज कंपनी के मुख्यालय में 50वीं वार्षिक आम बैठक को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से शेयरधारकों को संबोधित करते हुये यह बात कही। उन्होंने कंपनी की भविष्य की योजना को रेखांकित करते हुए कहा कि सेल ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 18.733 मिलियन टन (एमटी) हॉट मेटल और 17.366 एमटी कच्चे

स्टील का उत्पादन कर अपने सर्वश्रेष्ठ उत्पादन का प्रदर्शन किया है। कंपनी ने पहली बार भारतीय कंपनियों के एलीट क्लब में प्रवेश किया, जिसका टर्नओवर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1.03 लाख करोड़ रुपये का कारोबार कर पिछले वित्त वर्ष 2020-2021 के दौरान 68452 करोड़ रुपए के सर्वश्रेष्ठ कारोबार की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल की है, बेहतर प्रचालानिक प्रदर्शन ने टर्नओवर में वृद्धि करने के साथ ही कंपनी को लाभप्रदता के मामले में अब तक के उच्चतम आंकड़े हासिल करने में मदद की।

सेल अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2022, देश के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है और भारत ने आजादी के 75 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं 7 उन्होंने कहा कि यह आधुनिक भारत की यात्रा में एक असाधारण मील का पत्थर है जो भारत 2.0 में आगे बढने के लिए भारत की तैयारी के आलोक में और अधिक महत्व रखता है।

सैन्य अधिकारियों के खिलाफ व्यभिचार मामलों में अनुशासनात्मक कार्यवाही की प्रणाली होनी चाहिएःन्यायालय

नयी दिल्ली, 29 सितम्बर 2022। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि सशस्त्र बलों में सैन्य अधिकारियों के खिलाफ व्यभिचार के मामलों में अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए किसी तरह की प्रणाली होनी चाहिए,

क्योंकि इस तरह का आचरण अधिकारियों के जीवन में हलचल पैदा कर सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि व्यभिचार से परिवार में पीड़ादायी स्थिति बन जाती है और इसे मामूली तौर पर नहीं लिया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति के एम जोसफ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा, ''वर्दी वाली सेवाओं में अनुशासन का बहुत महत्व है।

इस तरह का आचरण अधिकारियों के जीवन में हलचल पैदा कर सकता है। सभी अंततः परिवार पर आश्रित होते हैं जो समाज की इकाई है। समाज में ईमानदारी जीवनसाथियों के परस्पर विश्वास पर टिकी है।'' उन्होंने कहा, ''सशस्त्र बलों को किसी तरह का आश्वासन देना चाहिए कि वे कार्रवाई करेंगे। आप जोसफ शाइन (फैसले) का हवाला कैसे दे सकते हैं और कैसे कह सकते हैं कि ऐसा नहीं हो सकता।'' शीर्ष अदालत ने अनिवासी भारतीय (एनआरआई) जोसफ शाइन की एक याचिका पर 2018 में भारतीय दंड संहिता की धारा 497 को रद्द कर दिया था और इसे असंवैधानिक करार दिया था जो व्यभिचार के अपराध से संबंधित है।

संविधान पीठ ने बृहस्पतिवार को कहा कि दोषी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही को रोकने के लिए शीर्ष अदालत के वर्ष 2018 के फैसले का हवाला नहीं दिया जा सकता।

संविधान पीठ में न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी, न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार भी शामिल रहे। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल माधवी दीवान ने वर्ष 2018 के फैसले पर स्पष्टीकरण की मांग की थी। इसके बाद संविधान पीठ की टिप्पणियां आईं। रक्षा मंत्रालय ने शीर्ष अदालत में कहा था कि 27 सितंबर, 2018 का व्यभिचार को अपराध के रूप में खारिज करने का फैसला इस तरह के कृत्यों के लिए सशस्त्र बलों के कर्मियों को दोषी करार दिये जाने के रास्ते में आ सकता है।

बाजार में लगातार सातवें दिन गिरावट,सेंसेक्स 188 अंक और टूटा,आरबीआई की मौद्रिक नीति पर नजर

मुंबई, 29 सितम्बर 2022। घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को शुरुआती बढ़त को बरकरार नहीं रख पाया और लगातार सातवें कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। निवेशकों ने भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति की घोषणा से पहले देखो और इंतजार करो का रुख अपनाया है। कारोबारियों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से दबाव बढ़ा है। हालांकि, रुपये के मूल्य में कुछ सुधार से थोड़ी राहत मिली है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 188.32 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 56,409.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ऊंचे में यह 57,166.14 अंक तक गया और नीचे में 56,314.05 अंक तक आया।

इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 40.50 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,818.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से एशियन पेंट्स सबसे अधिक 5.22 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा टेक महिंद्रा, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, विप्रो और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में आईटीसी, डॉ. रेड्डीज, टाटा स्टील, सन फार्मा और नेस्ले इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एनटीपीसी शामिल हैं। इनमें 2.51 प्रतिशत तक की तेजी रही। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोर रुख तथा रुपये के मूल्य में गिरावट से घरेलू बाजार में शुरुआती तेजी थोड़ी देर के लिये ही रही।

चूंकि भारत और अमेरिका के बीच बॉन्ड प्रतिफल में अंतर कई साल के निचले स्तर 3.48 प्रतिशत पर आ गया, अतः विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''दुनिया के विभिन्न देशों में केंद्रीय बैंक आक्रामक रूप से ब्याज दर बढ़ा रहे हैं। ऐसे में बाजार आरबीआई के नीतिगत दर में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद कर रहा है। निवेशक उत्सुकता से बैंकों में नकदी बढ़ाने, मुद्रा में गिरावट को रोकने के लिये रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप तथा मौद्रिक रुख तथा जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) परिदृश्य पर बयान का इंतजार कर रहे हैं।'' कोटक सिक्योरिटीज लि. के इक्विटी शोध प्रमुख (खुदरा) श्रीकांत चौहान ने कहा कि वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के निपटान के अंतिम दिन बाजार में काफी उतार-चढ़ाव रहा। कारोबारियों ने मौद्रिक नीति की शुक्रवार को होने वाली घोषणा से पहले ब्याज दर से संबंधित कुछ शेयरों में बिकवाली की।

उन्होंने कहा, ''बाजार में पहले से शेयरों के दाम नीचे आ चुके हैं और अगर नीतिगत दर में वृद्धि अपेक्षा से अधिक होती है, तो कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है और गिरावट का रुख कुछ समय तक बना रह सकता है।'' रिजर्व बैंक शुक्रवार को मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करेगा। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट तथा हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार में बुधवार को तेजी थी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 88.92 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 13 पैसे मजबूत होकर 81.80 रही। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 2,772.49 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

अक्सर बनी रहती है तनाव-चिंता? सावधान,आपमें हृदय रोगों का हो सकता है जोखिम,ऐसे करें बचाव

हृदय रोगों का बढ़ता खतरा मौजूदा समय की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। डॉक्टर्स कहते हैं, भले ही हृदय रोगों को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता है, पर जिस प्रकार से हाल के वर्षों में कम उम्र के लोगों में भी इसका खतरा बढ़ रहा है, इसे ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय करते रहना चाहिए।

डॉक्टर्स कहते हैं, वैसे तो हृदय रोगों के लिए लाइफस्टाइल, आहार में गड़बड़ी और शारीरिक निष्क्रियता को प्रमुख कारण के तौर पर माना जाता रहा है, पर क्या आप जानते हैं कि अक्सर तनाव-चिंता जैसी समस्याएं बनी रहना भी हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ा सकती है? दुनियाभर में बढ़ते इस जानलेवा समस्या के बारे में लोगों को जागरूक करने और इससे बचाव के उपायों के बारे में समझाने के लिए हर साल 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि चिंता और तनाव की स्थिति का लगातार बने रहना रक्तचाप जैसे कारकों को बढ़ा सकती है, जिसके कारण हृदय रोगों का खतरा हो सकता है। कोविड-19 महामारी के बाद से आश्चर्यजनक रूप से तनाव-चिंता के शिकार लोगों की संख्या में इजाफा देखा गया है। विशेषज्ञों की चिंता है कि यह स्थिति आने वाले वर्षों में हृदय रोगों के मामलों में उछाल का कारण बन सकती है। इस खतरे को ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को तनाव-चिंता को कम करने वाले उपाय करते रहना चाहिए। आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

तनाव और हृदय रोगों का संबंध

जॉन्स हॉप्किंस के शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि तनाव की लगातार बनी रहने वाली स्थिति हृदय पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। तनाव के कारण शरीर में इंफ्लामेशन बढ़ जाता है, जिसे हृदय रोगों के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। इसके अलावा क्रोनिक स्ट्रेस यानी की लंबे समय से बने रहने वाली तनाव की स्थिति आपकी नींद को भी प्रभावित करती है।

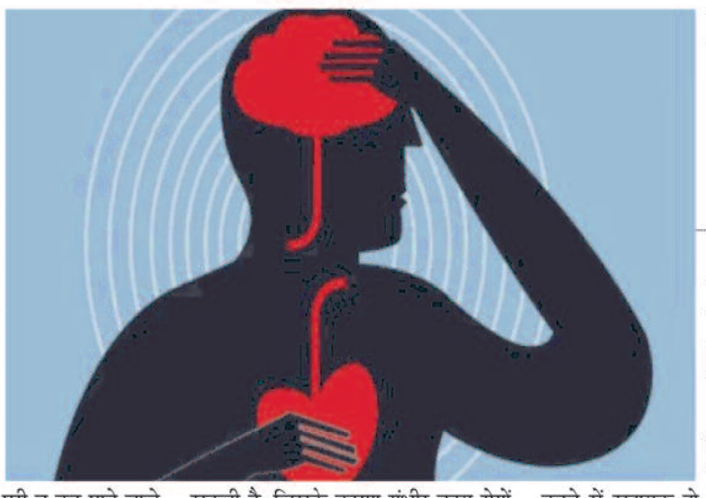

शोधकर्ताओं ने पाया कि रात में नींद पूरी न कर पाने वाले लोगों में अन्य लोगों की तुलना में हृदय रोगों का खतरा अधिक होता है। तनाव की स्थिति हाइपरटेंशन का भी कारण बन सकती है, जिसके कारण गंभीर हृदय रोगों का जोखिम होता है।

आइए जानते हैं कि किस प्रकार से तनाव-चिंता को कंट्रोल करके हृदय रोगों से बचाव किया जा सकता है?

शारीरिक सक्रियता से कम होता है तनाव

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के शोधकर्ताओं ने पाया कि शारीरिक रूप से सक्रिय रहने की आदत तनाव और हृदय रोगों दोनों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकती है। 6 सप्ताह तक किए गए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि प्रति सप्ताह 2 दिन की भी एरोबिक व्यायाम की आदत तनाव और चिंता कम करने में सहायक हो सकती है।

वैज्ञानिकों ने निष्कर्ष निकाला कि सप्ताह में 150 मिनट तक मध्यम गति वाले व्यायाम की आदत तनाव और हृदय रोगों के खतरे को कम करने में सहायक है। सभी उम्र के लोगों को नियमित रूप से व्यायाम की आदत बनाने से हृदय स्वास्थ्य में लाभ मिल सकता है।

स्वस्थ आहार का सेवन बहुत आवश्यक

स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन की आदत तनाव-हृदय रोग दोनों के खतरे को कम करने में मदद कर सकती है। अध्ययन से पता चलता है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों और एडेड शुगर का अधिक सेवन करने वाले लोगों में इस तरह की समस्याओं का जोखिम अधिक पाया जाता है। ऐसे आहार हृदय रोगों के जोखिम को भी बढ़ा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों-फल, नट्स और डेयरी उत्पाद के सेवन की आदत तनाव और हृदय रोग, दोनों के जोखिम को कम करने में सहायक है।

स्क्रीन टाइम को कम करना जरूरी

अध्ययन के मुताबिक स्मार्टफोन, कंप्यूटर और टीवी जैसे स्क्रीन पर अधिक समय बिताने वाले लोगों में तनाव-चिंता जैसे मनोविकारों का खतरा अधिक होता है। इसके अलावा स्क्रीन से चिपके रहने की आदत शारीरिक निष्क्रियता को भी बढ़ा देती है जिसके कारण मोटापे का जोखिम भी बढ़ जाता है, जिसे तनाव और हृदय रोग दोनों के जोखिम को बढ़ाने वाला माना जाता है। स्क्रीन टाइम को कम करना सभी के लिए आवश्यक है। स्क्रीन टाइम अधिक होने से नींद विकार भी बढ जाती है, जिससे हृदय रोगों का जोखिम हो सकता है।

कैलोरी बर्न करने का सबसे आसान तरीका है रस्सी कूदना,जानिए इसके बड़े स्वास्थ्य लाभ

रस्सी एक अच्छा कार्डियो व्यायाम है। रस्सी कूदने से तनाव कम होता है और मानसिक स्वास्थ्य बना रहता है। रस्सी कूदने से शरीर लचीला बनता है और मांसपेशियां शिथिल होती हैं।रस्सी कूदने के स्वास्थ्य लाभः वजन कम करने के लिए हम क्या नहीं करते, आजकल लोग एक्सपेंसिव डाइट प्लान से हैवी एक्सरसाइज करके अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं। रोजाना किए गए छोटे-छोटे प्रयासों से भी आप आसानी से अपनी कैलोरी बर्न कर सकते हैं। फिट रहने के लिए आप एक बार फिर बचपन के खेल को याद कर सकते हैं। जी हां, रस्सी कूदना बहुत तेजी से वजन कम करने में मददगार होता है। दरअसल, रस्सी कूदना कार्डियो एक्सरसाइज का एक बेहतरीन रूप है जिसे करने से विश्व स्तर के एथलीट भी नहीं चूकते। रस्सी कूदना आपके एब्स को कम करता है, आपके एब्स को मजबूत करता है, आपके फेफड़ों को मजबूत करता है और आपकी सहनशक्ति को बढ़ाता है। यह पूरे शरीर का वर्कआउट है और कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करने में काफी कारगर साबित होता है। तो आइए जानते हैं इससे जुड़े कुछ और

स्वास्थ्य लाभ।

रस्सी कूदने के स्वास्थ्य लाभः

रिपोर्ट के अनुसार यदि आप नियमित रूप से रस्सी कूदते हैं तो तनाव, चिंता और अवसाद कम होता है। रस्सी कूदने से आपके शरीर और दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है। जिससे आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं।

शरीर का लचीलापन बढ़ाएंः

रस्सी कूदने के कई फायदे हैं। जब आप रस्सी कूदते हैं तो शरीर की मांसपेशियां शिथिल होती हैं और लचीलापन बढ़ता है। कूदने से शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसलिए एथलीट भी इसे अपने वर्कआउट रिजीम में शामिल करते हैं।

हड्डियों को बनाता है मजबूत :

कुछ समय तक लगातार रस्सी कूदने से आपकी हड्डियाँ मजबूत होती हैं और उनकी घनत्व शक्ति बढ़ती है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस की संभावना कम हो जाती है।

पेट की चर्बी कम करे :

पेट की चर्बी कम करना बहुत मुश्किल काम है, लेकिन रस्सी कूदने से आपके शरीर और पेट का वजन बहुत तेजी से कम होता है। उच्च-तीव्रता वाले अंतराल प्रशिक्षण अभ्यास आपको आहार के बिना पेट की चर्बी कम करने और आपके पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करते हैं।

यह भी पढ़ेंः मच्छरों से बचने के लिए क्रीम या तेल का इस्तेमाल कर रहे हैं तो जान लें खतरा

हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता हैः

रस्सी कूदना शरीर और हृदय के लिए बहुत फायदेमंद होता है, यह हृदय के लिए सबसे अच्छा कार्डियो व्यायाम है, क्योंकि यह हृदय गति को बढ़ाता है, जिससे हृदयघात और दौरे का खतरा कम हो जाता है।

बढ़ते हृदय रोगों का जोखिम हो सकता है कम, वैज्ञानिकों ने ढूंढ निकाला सबसे आसान तरीका

वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर डालें तो पता चलता है कि इनमें डायबिटीज और हृदय रोगों के मामले सबसे अधिक हैं। आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में डायबिटीज के 53.7 करोड़ और 52 करोड़ से अधिक लोग कई प्रकार के हृदय रोगों से पीड़ित हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जिस प्रकार से पिछले कुछ वर्षों में लोगों में लाइफस्टाइल की गड़बड़ी से संबंधित मामले तेजी से बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं, ऐसे में इन आंकड़ों के और भी बढ़ने की आशंका है। अपने जोखिम कारकों को समझते हुए सभी लोगों को इन गंभीर बीमारियों से बचाव के निरंतर उपाय करते रहने चाहिए, क्योंकि इन दोनों की गंभीर स्थिति जानलेवा हो सकती है।

इस बीच एक हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के लिए एक सबसे प्रभावी उपाय को लेकर बड़ा दावा किया है। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि यदि हम सभी रात की नींद को ठीक कर लेते हैं, यानी कि अगर रात के समय 6-8 घंटे की निर्बाध नींद लेना सुनिश्चित कर लिया जाए तो यह आदत हृदय रोग-स्ट्रोक के जोखिम को कई गुना तक कम करने में मददगार हो सकती है। आइए इस अध्ययन के बारे में विस्तार से समझते हैं।

हृदय रोग और स्ट्रोक का बढ़ता खतरा

फ्रांस स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च (आईएनएसईआरएम) के शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि जो लोग रोजाना रात में अच्छी नींद ले रहे हैं ऐसे लोगों में हृदय रोग-डायबिटीज होने का खतरा कम पाया गया है। अध्ययन के अनुसार, 10 में से नौ अमेरिकी को रात में अच्छी नींद नहीं आती है, जिसके कारण यहां हृदय रोग-स्ट्रोक के साथ लोगों में डायबिटीज की समस्या भी तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि सभी लोग अच्छी नींद लेने पर ध्यान दें, तो इनमें से दस में से सात को हृदय रोगों से बचाया जा सकता है।

नींद की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत

आईएनएसईआरएम के प्रोफेसर और अध्ययन के प्रमुख लेखकों में से एक डॉ अबूबकारी नांबिमा कहते हैं, दुनियाभर में हृदय रोगों का खतरा बढ़ता जा रहा है, अब यह कम उम्र के लोगों को भी अपना शिकार बनाती जा रही है, इससे बचाव के लिए बच्चों को शुरुआत से ही नींद की गुणवत्ता के महत्व के सेहत पर होने वाले प्रभावों के बारे में बताना चाहिए, जिससे भविष्य में उन्हें इस प्रकार के खतरे से बचाया जा सके। रात की नींद अच्छी करने के लिए कई प्रकार के उपायों को प्रयोग में लाया जा सकता है, यह सभी आयु वाले लोगों के लिए आवश्यक है।

शोध में क्या पता चला?

इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने 7,200 प्रतिभागियों को शामिल किया। अध्ययन में शामिल सभी प्रतिभागी 50 से 75 वर्ष की आयु वाले पुरुष और महिलाएं थीं, इनमें उस वक्त किसी भी प्रकार की हृदय रोगों की समस्या नहीं थी। इनमे से ज्यादातर लोगों में नींद की गुणवत्ता ठीक नहीं थी। हर दो साल में सभी लोगों में कोरोनरी हार्ट डिजीज और स्ट्रोक के खतरे की जांच की गई।

समय के साथ 274 प्रतिभागियों में इस तरह की शिकायतों का पता चला। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों की रात की नींद 4-5 घंटे या उससे कम थी उनमें हृदय रोगों और स्ट्रोक का खतरा 75 फीसदी अधिक पाया गया। वहीं जिन लोगों ने निर्बाध तरीके से 7-9 घंटे की नींद पूरी की उनमें इन रोगों के विकसित होने का जोखिम काफी कम पाया गया।

अध्ययन का निष्कर्ष

अध्ययन के निष्कर्ष में डॉ. नाम्बीमा कहते हैं, हमारा अध्ययन हृदय को स्वस्थ्य को बनाए रखने के लिए अच्छी नींद की आवश्यकता पर जोर देता है। नींद में सुधार करके कोरोनरी हार्ट डिजीज और स्ट्रोक के जोखिम को कम किया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश लोगों को नींद की कठिनाई होती है, यह उनमें गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। हृदय रोग दुनियाभर में मृत्यु का शीर्ष कारण है। हृदय को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अच्छी नींद के महत्व पर अधिक जागरूकता की आवश्यकता है। सभी लोगों को नींद में सुधार करने की आवश्यकता है।

CMYK

हिंदी के शब्दों व पुस्तकों से अध्ययन की परिपाटी का प्रयोग धीरे-धीरे कम हो रहा:राजीव लोचन त्रिवेदी

» राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी के उत्थान को लेकर संभाग के कई विद्वानों ने साझा किए विचार

» आधुनिकता के दौर में इंटरनेट की ओर जा रहे,धीरे धीरे पढ़कर जानकारी लेने की आदत कमजोर हो रही

» गोष्ठी संपन्नसाहित्य के क्षेत्र में निरंतर कर्म करने वाले कई विद्वानों, साहित्य प्रेमियों व पत्रकारों का हुआ सम्मान

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

हिंदी उस विशाल सागर की तरह है जिसमें आकर विभिन्न भाषाओं की नदियां समाहित होती जा रही हैं और हिंदी प्रतिदिन समृद्ध हो रही है। राजभाषा पखवाडा के अंतर्गत जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर में साहित्य सेवा को लेकर एक बड़ा आयोजन संपन्न हुआ। सौम्य महिला समिति बैकुण्ठपुर क्षेत्र और अभिव्यक्ति साहित्यिक संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी के विकास पर एक वृहद एक दिवसीय आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन में मुख्य अतिथि की आसंदी से साउथ इस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड बैकुंठपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक आपरेशन के मेरे ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य का मूल निवासी होने के बावजूद अपने शिक्षा और कार्य दायित्वों के दौरान देश के विभिन्न क्षेत्रों में रहा परंतु मुझे हमेशा हिंदी की जानकारी होने से एक अलग तरह की मदद मिली। उन्होने कहा कि यह एक ऐसी भाषा है जो हमेशा से मुझे प्रभावित करती है और दैनिक कार्य जीवन में भी इसका अधिकाधिक प्रयोग करने का प्रयास करता हूं। आए हुए विद्वानों से मुझे बहुत कुछ सीखने समझने का अवसर मिला है। उन्होने कहा कि हिंदी में प्रत्येक रिश्ते के लिए पृथक शब्द हैं परंतु अंग्रेजी जैसी भाषाओं में इसका बड़ा अभाव है। हिंदी पर व्याख्यान, परिचर्चा और काव्यगोष्ठी का आयोजन दो सत्र में पूरा हुआ। इसके प्रथम सत्र में व्याख्यान और परिचर्चा का आयोजन हुआ। इसमें लाहिड़ी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य व हिंदी के विभागाध्यक्ष रामकिंकर पाण्डेय, शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी प्राध्यापक बृजलाल साहू, आत्मानंद महाविद्यालय महलपारा बैकुण्ठपुर के प्राचार्य श्री राजीवलोचन त्रिवेदी और हिंदी वरिष्ठ शिक्षक आदित्य नारायण मिश्रा ने विषिष्ट अतिथि बनकर आयोजन को गरिमा प्रदान की। प्रथम सत्र का शुभारंभ मां सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर अभिव्यक्ति संस्थान की सदस्य श्रीमती तारा पांडे, सुश्री रेणुका तिर्की और सुश्री पूजा ने मां सरस्वती की वंदना हेतु गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद आयोजन में उपस्थित हिंदी विदों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

सबसे पहले हिंदी की वर्तमान चुनौतियों पर अपनी बात कहते हुए प्राचार्य राजीव लोचन त्रिवेदी ने कहा कि हम हिंदी के शब्दों का प्रयोग धीरे धीरे स्वयं ही कम कर रहे हैं। पुस्तकों से अध्ययन की परिपाटी कम हो रही है। आधुनिकता के दौर में हम प्रत्येक खोज व विषय वस्तु की जानकारी के लिए इंटरनेट की ओर जा रहे हैं इससे धीरे धीरे हमारे पढ़कर जानकारी लेने की आदत कमजोर हो रही है। हमें अपने बच्चों को व्यवहारिकता के साथ हिंदी का ज्ञान देना अति आवश्याक हो चला है।

हिंदी को विकास को समझने के लिए जरूरी है कि इसके लिए हम संकल्पित हों

अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंदी के प्राध्यापक बृजलाल साहू ने कहा कि हिंदी को विकास को समझने के लिए जरूरी है कि इसके लिए हम संकल्पित हों। हम दैनिक जीवन में हिंदी को पूरी तरह से प्रयोग में लाएं और अपने विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बनाएं क्योंकि हिंदी ही सर्वसमावेशी भाषा है।

दैनिक जीवन में हिंदी के निरंतर अपघट

दैनिक जीवन में हिंदी के निरंतर अपघटन पर बात करते हुए हिंदी के विद्वान श्री रामकिंकर पाण्डेय ने हिंदी के विकास के लिए सकारात्मकता का प्रचार करते हुए कहा कि हिंदी भाषा के लिए बने आयोग और संस्थाएं हिंदी के विकास में जो काम नहीं कर पाईं वह उत्थान आम जनमानस ही कर सकता है। अपने अध्ययन और अध्यापन के अनुभवों के साथ हिंदी साहित्य के विराट क्षेत्र को सरल शब्दों में परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के साथ ही इसके प्रभाव क्षेत्र में अन्य राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं के भी व्यापक विस्तार और शिक्षण की आवश्यकता है। उन्होनें सभी हिंदी प्रेमियों से आग्रह किया की इसे सरल और प्रत्येक व्यक्ति के लिए ग्राहय बनाने के लिए हमें इसके शब्दावली में जुड़ते प्रत्येक देशज, विदेशज शब्दों को स्वीकार करना होगा और साथ ही भाषा के मूल रूप और उसके व्याकरण में निरंतर ध्यान रखना होगा ताकि हम हिंदी की मूल भावना को बचाकर इसके विकास में सहभागी बन सकें। उन्होने कहा कि अंग्रेजी एक वैश्विक भाषा है इसको जानना, समझना और बोलना वर्तमान में विकास के लिए अत्यंत आवश्याक है परंतु इसके साथ ही हिंदी को अपनी मातृभाषा, राजभाषा होने के कारण गंभीरता से जानना, बोलना और समझना उससे भी ज्यादा जरूरी है।

परिवार से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति से पृथक पृथक रिश्ते ना समझाते हुए अंग्रेजी के अंकल आंटी में समेट रहे हैं

अपने विचार व्यक्त करते हुए आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि हिंदी जैसा मर्मस्पर्शी शब्दकोष दुनिया की किसी भी भाषा में नहीं है। आज हम अपने बच्चों को परिवार से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति से पृथक पृथक रिश्ते ना समझाते हुए सभी को अंग्रेजी के अंकल आंटी में समेट रहे हैं। यह हमारी संस्कृति सभ्यता और अध्यात्म तीनों के लिए नुकसानदायक है। उन्होने रामचरित मानस में चित्रकूट में प्रभु राम और सीता के बीच बिताए गए समय का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदी इतनी समृद्ध है कि यहाँ विभिन्न भावों को प्रदर्शित करने के लिए अलग अलग रस छंद अलंकार हैं इतनी विराट शब्दकोष, भावनाओं से भरी हुई और दिल को छू सकने वाली विश्व में कोई भाषा नहीं है। उन्होने आए हुए प्रत्येक व्यक्ति को हिंदी के सद साहित्य को पढ़ने और उसे अपने दैनिक जीवन में अनुसरण करने का आग्रह किया।

इनका हुआ सम्मान

प्रथम सत्र के समापन अवसर पर महाप्रबंधक आपरेशन के मेरे ने हिंदी के तीनों विशिष्ट वक्ताओं का साहित्य के लिए समर्पित भोला प्रसाद मिश्रा, डा सपन सिन्हा, शैलेन्द्र श्रीवास्तव व वीरेन्द्र श्रीवास्तव का शाल और प्रतीक चिन्ह देकर विशेष सम्मान किया। इसके साथ ही जन जन तक हिंदी को सुलभ करने के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के कलमकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर दैनिक समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ प्रवींद्र सिंह, ब्यूरो चीफ योगेश चन्द्रा, चंद्रकांत पारगीर, इलेक्ट्रानिक मीडिया में अरूण जैन, नीलेष तिवारी और जगजीत सिंह को भी उपस्थित अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि श्री के मेरे को अभिव्यक्ति संस्था की ओर से संरक्षक नरेश सोनी के द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान दिया गया।

राजभाषा पखवाड़ा के द्वितीय सत्र में हिंदी पर विशेष जानकारी प्रस्तुत किया गया यह रहे शामिल

राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत द्वितीय सत्र में हिंदी पर विशेष जानकारी प्रस्तुत करते हुए अभिव्यक्ति संस्थान के योगेश गुप्ता ने हिंदी के बाजार पर प्रभाव को उल्लेखित करते हुए विश्व में हिंदी की लोकप्रियता और उसके विशद शब्दकोष के बारे में तथ्यात्मक आंकड़े प्रस्तुत किए। साथ ही हिंदी की सहजता को प्रदर्शित करने के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस तरह से हिंदी में शब्दों के क्रम को परिवर्तित करने से सामान्य और असामान्य प्रभाव होता है। इसके बाद काव्यगोष्ठी का सत्र प्रारंभ हुआ, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में सौम्य महिला समिति की श्रीमती नीनी मेरे, श्रीमती झूमा मंडल, श्रीमती सविता मंडल, सौम्य महिला समिति की सचिव श्रीमती संध्या रामावत के साथ मनेन्द्रगढ़ जिले में संबोधन साहित्य कला परिषद के संस्थापक सदस्य श्री वीरेन्द्र श्रीवास्तव और व्यंगम साहित्य संस्थान अंबिकापुर के संस्थापक सदस्य डा सपन सिन्हा उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरगुजा संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे विषिष्ट साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं का प्रभावी पाठ प्रस्तुत कर आयोजन का नई गरिमा प्रदान की। इसके पष्चात कोरिया, एमसीबी, सूरजपूर, अंबिकापुर से आए हुए रचनाधर्मियों श्रीमती वीरांगना श्रीवास्तव, श्रीमती अनामिका चक्रवर्ती, सुश्री ऋचा श्रीवास्तव, श्रीमती ज्योतिमाला सिन्हा, प्रतापपुर महाविद्यालय की प्राध्यापक श्रीमती कुसुमलता प्रजापति, डा राजकुमार शर्मा, श्रीमती तारा पाण्डेय, सुश्री रेणुका तिर्की, संदीप गौड़ बादल, राजेश पाण्डे, संवर्त कुमार, सुश्री अलीशा, शारदा गुप्ता, मृत्युंजय सोनी, कृष्णदत्त मौर्य, श्रीमती मंजू डड़सेना, मनीष तिवारी, श्रीमती कविता मिश्रा, सूरजपूर के साहित्यकार रमेश गुप्ता, हरिकांत अग्निहोत्री, गौरव अग्रवाल, आयुष नामदेव का विषिष्ट सम्मान किया गया। उपस्थित अतिथियों ने सभी साहित्यकारों को पुष्पमाला और दुषाला ओढ़ाकर प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। अंत में श्री आयुष नामदेव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन को सफल बनाने में एसईसीएल के प्रबंधक कार्मिक गौरव दुबे, स्वामी आत्मानंद विद्यालय चिरमिरी के प्राचार्य डा डी के उपाध्याय, श्री राजेन्द्र सिंह, नरेश सोनी, अतुल गुप्ता, संवर्त कुमार, शारदा गुप्ता आदि का विशेष योगदान रहा।

शिक्षक का दर्जा बेहद ऊंचा,बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ बेहतर इंसान बनने की भी शिक्षा दें:कलेक्टर

कलेक्टर ने विभागीय बैठक में कहा बच्चों में हर प्रतिस्पर्धा में बेहतर परफॉर्म करने का आत्मविश्वास जगाएं

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

गुरु गोविंद दोऊ खड़े... दोहे से कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग की विभागीय बैठक में सभी बीईओ, बीआरसी और मंडल संयोजकों को बच्चों को बेहतर शिक्षा देने प्रेरित किया। जिला पंचायत ऑडिटोरियम में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने मौजूद अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र के जीवन में शिक्षक का दर्जा बेहद ऊंचा होता है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें जिससे वे अपने जीवन में एक बेहतर मुकाम पर पहुंच सकें। उन्हें स्कूली शिक्षा के साथ ही बेहतर इंसान बनने की भी शिक्षा दें। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों में आत्मविश्वास जगाएं जिससे वे अपनी कमियों को दूर कर हर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें। स्कूलों की गुणवत्तापूर्ण मॉनिटरिंग करें जिससे शिक्षा और बच्चों, दोनों के सकारात्मक प्रभाव हो। इस अवसर पर कलेक्टर ने बेहतर काम करने वाले मंडल संयोजकों की सराहना भी की। और शेष को उनसे प्रेरणा लेने प्रोत्साहित किय।

शैक्षणिक कार्यों में लापरवाही बरतने पर करें कड़ी कार्रवाई

कलेक्टर ने बैठक में बीईओ और मंडल संयोजकों से शिक्षकों और बच्चों की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों के पढ़ाई के तरीकों और उनकी सक्रियता की रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर शैक्षणिक कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दायित्वों के प्रति उदासीनता संज्ञान में आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बिना अनुमति या सूचना के शिक्षकों की अनुपस्थिति पर कार्रवाई करें। कारण बताओ नोटिस जारी करने पर एक सप्ताह के भीतर यदि संतोषजनक जवाब ना मिले तो कार्रवाई सुनिश्चित करें।

स्कूल में होंगे डिजिटल अवेयरनेस कैम्प, बच्चों के जरिए अभिभावकों तक पहुंचेगी जानकारी

ऑनलाइन फ्रॉड से बचने जल्द ही जिले में अलग अलग क्षेत्रों में जागरूकता शिविर आयोजित होंगे। इस संबंध में कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जानकारी देते हुए कहा कि सभी स्कूलों में सप्ताह में एक दिन बच्चों को ऑनलाइन फ्रॉड से बचने और सावधानी के उपायों की जानकारी दी जाएगी। बच्चों को प्रेरित करें कि वे यह महत्वपूर्ण जानकारियां अपने घर में अभिभावकों एवम अन्य परिजनों से साझा करें और उन्हें जागरूक करें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री कुणाल दुदावत, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय गुप्ता एवं सभी बीईओ, बीआरसी एवं मंडल संयोजक उपस्थित रहे।

एसईसीएल गेवरा के क्वॉटरों में अनधिकृत तौर पर रहने वाले

लोगों पर की गई कार्यवाही

-संवाददाता-

कोरबा, 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एसईसीएल गेवरा प्रबंधन द्वारा उन लोगों पर की गई कार्यवाही जो विगत 10 -12 सालों से रिटायर्ड होने के बावजूद क्वार्टरों में अनधिकृत जमे हुए है ढ्ढ इसकी संख्या करीब 150 के लगभग है प्रबंधन द्वारा क्वार्टरों को खाली कराने की बात चल रही थी इसी पर प्रबंधन ने पूरी सूची बनाकर क्वार्टरों को खाली कराने के लिए गए थे जिनमें से कई लोगों ने रिटायरमेंट होने के बावजूद भी क्वार्टरों को खाली नहीं किए थे ,जो एम्पलाई नहीं है प्रबंधन द्वारा कॉलोनी परिसर के अंदर निवासरत कर रहे लगभग 09 घरों को खाली कराया गया एसईसीएल गेवरा परियोजना के (जी.एम.) एस पी भाटी सुरक्षा विभाग गेवरा क्षेत्र ,दीपका तहसीलदार वीरेंद्र श्रीवास्तव पूरे दलबल के साथ क्वार्टरों को खाली कराने के लिए पहुंचे, जिन पर 09 क्वार्टरों पर कार्यवाही की गई तत्कालीन रूप से उनके क्वार्टरों से पंचनामा बनाकर सामानों को निकाला गया और जो अवैध रूप से रह रहे थे जिनके क्वार्टरों में ताला बंद है उनको सूचना दी गई कि जल्द से जल्द क्वार्टरों को खाली कर दे एवं कानूनी कार्यवाही से बचे । इस संबंध में एसईसीएल गेवरा के प्रोजेक्ट जी एम एस पी भाटी एवं तहसीलदार वीरेंद्र श्रीवास्तव से जब बात की गई तो उन्होंने कहां की दिवाली तक ऐसा ही सिलसिला चलता रहेगा

थाना ओड़गी की पुलिस ने छात्रों को यातायात नियमों और साइबर अपराधों की जानकारी दी

आईआईटी स्कूल ओड़गी में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

-संवाददाता-

सूरजपुर 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू के निर्देश पर थाना ओड़गी की पुलिस ने गुरूवार को आईआईटी स्कूल ओड़गी में स्कूली छात्रों को यातायात नियम और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को जन जागरूकता के लिए शैक्षणिक संस्थाओं में चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम की कड़ी में गुरुवार को आईआईटी स्कूल में यह कार्यक्रम हुआ। इसमें थाना प्रभारी ओड़गी एन.के.त्रिपाठी ने छात्रों को सड़क सुरक्षा के जुड़े बिंदुओं पर जागरूक कर साइबर अपराधों के बारे में भी बताकर जागरूक किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि अपने स्कूल, घर के आसपास होने वाले अपराध या आपराधिक गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दे। अनजान लोगों से वाटसएप्प और फेसबुक पर अनजान लोगों से बातचीत न करें। महिला सुरक्षा के लिए बनाए गए अभिव्यक्ति ऐप एवं उसके इस्तेमाल को लेकर छात्राओं को जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में प्रमुख बिंदुओं पर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया-

थाना प्रभारी ने छात्रों को वाहन रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस व वाहन का बीमा होने के फायदे व नुकसान बताए, दोपहिया वाहन चलाते वक्त क्या-क्या दस्तावेज रखने चाहिए, दोपहिया वाहन चलाने के लिए व लाइसेंस बनवाने की उम्र आदि बताए, आकस्मिक सेवाएं तत्काल पुलिस की मदद कैसे ली जा सकती है, घायल को प्राथमिक उपचार दिलाने के लिए 108, चाइल्ड हेल्प लाइन व डॉयल 112 हेल्पलाइन नंबर से भी अवगत कराया। थाना प्रभारी ने छात्रों से अपील किया कि परिवार के सदस्यों को यातायात नियमों से अवगत कराए, टू व्हीलर पर हेलमेट लगाकर चलने, फोर व्हीलर में सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने एवं सफर के दौरान क्यों ना ज्यादा समय लग जाए किन्तु वाहन तय गति से चलाकर सुरक्षित सफर करने कहा।

सेनेटाइजर से आग जलाने की कोशिश में झुलसे डॉक्टर

-संवाददाता-

सूरजपुर 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

रसोकी में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण करने गए एक चिकित्सक को मक्का खाने का शौक बेहद महंगा पड़ गया है।बताया गया है मक्का को पकाने के लिए वे सेनेटाइजर से आग जलाने की कोशिश में बुरी तरह झुलस गए है जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। दो दिन पहले चाँदनी क्षेत्र के ग्राम रसौकी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमे स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों इलाज किया। उसके उपरांत शिविर में मौजूद डॉक्टर बृजेश कुमार कुशवाहा को मक्का खाने का शौक हुआ जिस पर वे ग्रामीणों से मक्का मंगा कर खुद पकाने हेतु आग की व्यवस्था करने लगे जिसमे उन्होंने सेनेटाइजर के माध्यम से आग जलाने की कोशिश करने लगे तो आग की चपेट में वे खुद आ गए जिसमे वे बुरी तरह झुलस गए है।डॉक्टर साहब को जलते देख उन्हें बचाने के चक्कर मे दो ग्रामीण भी झुलस गए है।सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। डॉक्टर साहब का इलाज तो मध्यप्रदेश के सिंगरौली अस्पताल में चल रहा है।

मदरसा छात्रा की मौत मामले में हास्टल प्रबंधन को नोटिस

हास्टल में मिली कई खामियां,बगैर अनुमति संचालित है हास्टल

-संवाददाता-

सूरजपुर 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भवराही में मदरसे संचालक व हास्टल प्रबंधन को जिला प्रशासन ने नोटिस जारी किया है।नोटिस में बगैर अनुमति के हॉस्टल संचालन पर जबाब मांगा गया है।जबाव मिलने के बाद जबावदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी। भैयाथान ब्लॉक के भवराही का मदरसा तब सुर्खियों में आया है जब यहां मजहबी तालीम हासिल करने वाली एक छात्रा ने मौत को गले लगा लिया। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले की 15 वर्षीय छात्रा का शव हास्टल के कमरे में फांसी पर झूलते मिला था।जिस पर छात्रा के पिता ने बच्ची को प्रताड़ित करने व मारपीट का आरोप लगाते हुए इस घटना को हत्या बताया है। इस तमाम घटनाक्रम के बाद हरकत में आये जिला प्रशासन की टीम ने अपने स्तर पर जांच शुरू की है।बुधवार को जिला प्रशासन की एक टीम मदरसे की जांच में करने गए थे तो पता चला कि मदरसे में तो मजहबी तालीम के लिए छात्रा ने एडमिशन लिया था पर इस मदरसे के लिये जिस हास्टल का संचालन किया जा रहा था उसकी तो कोई अनुमति ही नही ली गई है और जबकि इस हास्टल में 160 के करीब बच्चों का बसेरा है। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद राय ने बताया कि इस खलासे के बाद हास्टल संचालक को नोटिस देकर जबाव मांगा गया है।उन्होंने बताया कि बगैर अनुमति के हास्टल संचालन मामले में विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।इसके आलावे हास्टल में और भी कई खामियां पाई गई है जिसकी रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंप दिया गया है। रही बात छात्रा की मौत का तो इस मामले में पुलिस अपनी कार्रवाई कर रही है।इधर पुलिस ने फिलहाल मामले धारा 306 व 34 का जुर्म दर्ज कर मदरसे के दो मौलानाओं को बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अपूर्ण जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु शिविर 01 अक्टूबर को

-संवाददाता-

सूरजपुर 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अनुविभागीय अधिकारी श्री सागर सिहं से प्राप्त जानकारी अनुसार अनुविभाग भैयाथान अन्तर्गत स्कूली छात्र, छात्राओं के अपूर्ण जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु तहसील कार्यालय भैयाथान, भटगांव, ओड़गी, बिहारपुर में 01 अक्टूबर 2022 को शिविर का आयोजन किया जाना है। जिन विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र में दस्तावेजों की कमी पाई गई है, वे शिविर में उपस्थित होकर अपने आवनेदन पत्रों के दस्तावेज पूर्ण करा ले।

कबाड़ का फर्जी बिल प्रस्तुत कर असली बताने के आरोप में आदतन कबाड़ी मुकेश साहू गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरबा, 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

आदतन कबाड़ी मुकेश साहू को चोरी का कबाड़ का फर्जी बिल प्रस्तुत कर वैध रूप से कबाड़ खरीदी करना साबित करने का साजिश रचने के आरोप में रामपुर पुलिस चौकी द्वारा धारा 420, 467, 468, 471 भादवि के अंतर्गत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया । मामले का विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 6.9.2022 को पुलिस चौकी रामपुर के द्वारा कबाड़ से भरे हुए लावारिस हालत एक पिक अप क्र. CG 12 S 1774 को जब्त किया गया था ढ्ढ लगभग 1 सप्ताह तक किसी भी व्यक्ति के द्वारा वाहन पर अपना दावा प्रस्तुत नहीं किया गया । किंतु 1 सप्ताह के बाद आरोपी मुकेश साहू के द्वारा माननीय न्यायालय में उक्त वाहन में भरे हुए कबाड़ को स्वयं के द्वारा वैध रूप से खरीदी कर बिक्री हेतु ले जाने का दावा प्रस्तुत कर कबाड़ को सुपुर्दनामा पर प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया । वाहन में लोड कबाड़ खरीदी का फर्जी बिल तैयार कर पुलिस चौकी रामपुर में प्रस्तुत किया गया । चौकी प्रभारी रामपुर उप निरीक्षक कृष्णा साहू को उक्त बिल पर संदेह होने पर मामले की जानकारी पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह को दी गई । संतोष सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के मार्गदर्शन, नगर पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के पर्यवेक्षण एवं थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में उक्त बिल की जांच की गई तो पाया गया कि आरोपी मुकेश साहू द्वारा फर्जी बिल पेश कर न्यायालय के माध्यम से कबाड़ सामग्री को सुपुर्दनामा पर प्राप्त करने का षड्यंत्र रचा गया है । मामले में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 909/2022 धारा 420 ,467,468 , 471 भादवि के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ढ्ढ आरोपी मुकेश साहू को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को जेल भेजने का आदेश पारित किया । उल्लेखनीय है कि आरोपी मुकेश साहू को थाना दीपका में दर्ज ऐसे ही मामले में कटघोरा न्यायालय द्वारा 3 वर्ष की सजा दी जा चुकी है जिस पर आरोपी अपील पर है ।

क्या एसडीओ फारेस्ट अखिलेश मिश्रा बहुत बड़ा नाम है ?

» नाम यूं ही बड़ा नहीं हुआ,15 सालों में बड़ा हुआ है, कोई भी मुख्य सचिव ऐसा नहीं जो तबादला सूची में उनका नाम दर्ज कर सके ?
» 15 वर्षों में वन विभाग में कई बार तबादले हुए होंगे,तबादले की सूची जारी हुई होगी,सूची कोई नाम नहीं था तो वह नाम था अखिलेश मिश्रा का।
» ऐसी क्या वजह है कि वन विभाग के तबादले सूची में वर्तमान बैकुंठपुर एसडीओ फारेस्ट अखिलेश मिश्रा का नाम नहीं होता ?
» नाम यूं ही बड़ा नहीं हुआ,15 सालों में बड़ा हुआ है,कोई भी मुख्य सचिव ऐसा नहीं जो तबादला सूची में उनका नाम दर्ज कर सके।

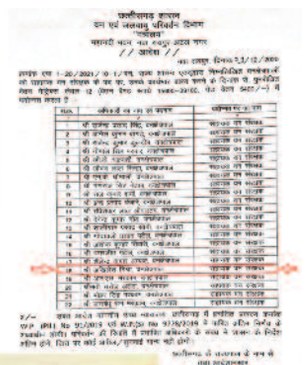

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अविभाजित कोरिया जिले में एक ऐसा विभाग है जहां एक नाम काफी बड़ा होता चला जा रहा है और इसकी वजह भी सिर्फ एक है तबादला सूची में नाम ना होना, यदि पिछले 15 सालों की बात की जाए तो वन विभाग में कई बार तबादले हुए होंगे, जिसमें प्रभारी रेंजर, रेंजर, एसडीओ व डीएफओ सभी का तबादला हुआ होगा पर यदि किसी का तबादला नहीं हुआ तो वह है अखिलेश मिश्रा का जो कि वर्तमान में एसडीओ फारेस्ट बैकुंठपुर हैं, यह नाम ऐसा है जिसे शायद ही कोई व्यक्ति ना जनता हो, यह पहचान के मोहताज भी नहीं है और यह पहचान इन्होंने ऐसे ही नहीं बनाई है इन्होंने इस पहचान के लिए कोरिया जिले को लगभग 15 साल दिए है, इस 15 साल में कोई भी इस विभाग में ऐसा मुख्य सचिव नहीं आया जो इनका तबादला कर सके? कोरिया जिले के वन मंडल में अखिलेश मिश्रा एक ऐसा नाम है जिनके रहते हुए कई एसडीओ व डीएफओ रेंजर व प्रभारी रेंजर बदल गए पर नहीं बदले गए तो सिर्फ अखिलेश मिश्रा, अखिलेश मिश्रा कोरिया जिले में रहते हुए प्रभारी रेंजर से रेंजर, रेंजर से एसडीओ अब हो सकता है कि डीएफओ भी बन जाए पर सवाल यह है कि क्या इनका तबादला होगा? पदोन्नति तो होती है पर इनका तबादला नहीं होता और तो और इन्हें सरगुजा संभाग के सभी पत्रकार अच्छे से जानते हैं इनके ऊपर इस जिले में मेहरबानी कितनी है की सारे निर्माण कार्य इनके अधीन होते हैं और एक नहीं दो-दो जगह का प्रभार इन्हें दे दिया जाता है, वहीं इनकी संपत्तियों में भी लगातार इजाफा होता आ रहा है वहीं जांच का विषय तो सिर्फ यह है कि आखिर इनकी बढ़ती संपत्ति का राज क्या है? शायद इस राज को एसीबी आयकर विभाग भी नहीं पता लगा पा रहें हैं, वैसे बताया जाता है कि इनकी पकड़ ही कुछ ऐसी है कि सभी कुछ इनके अधीन है,चाहे आयकर विभाग हो चाहे सतर्कता विभाग या आय से अधिक संपत्ति की जांच करने का कोई भी विभाग सभी मे इनकी पकड़ है और इसी पकड़ और पहचान की वजह से यह बचते चले आ रहें हैं और लगातार अपनी संपत्ति में इजाफा भी करते चले आ रहें हैं।

महंगे दाम पर जमीन खरीदी करने में भी इनका जिले में लिया जाता है नाम

इनकी ख्याति केवल विभाग तक ही सीमित है ऐसा नहीं है आजकल इनको जमीन महंगे दाम पर खरीदने में माहिर माना जाता है, जिले में जमीन कहीं भी जिस दाम पर मिल रही हो उससे अधिक दाम वह भी कई गुना ज्यादा दाम देकर जमीन खरीदने को लेकर इनकी खासी ख्याति है। जिले में इनकी जमीन संबंधी संपत्ति में लगातार इजाफा हुआ है जो जग जाहिर भी है।

विभाग सहित जिले के आला अधिकारियों पर भी नियंत्रण रखने में हैं माहिर

यह एक ऐसे अधिकारी हैं जिन्हें जिले के आला अधिकारियों सहित अपने विभाग पर नियंत्रण रखने में महारत हासिल है। इनके विरुद्ध न कभी कोई अधिकारी जांच की बात करता और न ही इनके विरुद्ध शिकायतों पर कोई कार्यवाही ही होती है। कई बार कई मामलों में इनकी गलती सामने लाने पर भी उच्चाधिकारी मौन रहते हैं जबकि जिले में वन विभाग के अधिकांश काम निर्माण के यही स्वयं करते हैं।

जनप्रतिनिधियों से भी बेहतर रखते हैं सामंजस्य

इनका जनप्रतिनिधियों से भी बेहतर सामंजस्य बना रहता है,किसी भी दल का जनप्रतिनिधि क्यों न हो सभी इनसे प्रसन्न रहते हैं और इनके विरुद्ध जाकर इनकी गलतियों को लेकर किसी कार्यवाही की मांग से बचते हैं,कुल मिलाकर सभी को साधे रखने में इन्हें महारत हासिल है और इसमें यह निपुण है।

क्या कोरिया की राजनीति से रावण का पुतला भी परेशान

» क्या रावण दहन की बजाय दोनों ही राजनीतिक दल ऐसा मंच तलाश रहें हैं जहां उन्हें जनता सुन सके ?
» रावण दहन को लेकर कोरिया जिले में नहीं थम रही है रार,कांग्रेस भाजपा आमने सामने।
» बैकुण्ठपुर में जहां सत्ताधारी दल कांग्रेस को प्रशासन ने दी रावण दहन की मंजूरी,वहीं शिवपुर चरचा में रावण दहन को लेकर संशय।
» कांग्रेस भाजपा का रावण दहन को लेकर एक दूसरे पर आरोप,दोनों ही रावण दहन में राजनीति का एक दूसरे पर लगा रहे आरोप।
» शिवपुर चरचा में एसईसीएल प्रबंधन ने वापस ली दी हुई अनुमति, अब नहीं होगा रावण दहन कार्यक्रम।
» राजनीति की भेंट चढ़ गया इस वर्ष का दशहरा पर्व,दोनों ही राजनीतिक दल एक दूसरे पर शब्द तीर लेकर आक्रामक।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले का विभाजन जहां जिलेवासियों के लिए एक कठोर निर्णय सत्तापक्ष की तरफ से रहा और कोरिया जिले का अस्तित्व ही जिले के लिए चुनौती बन गया, वहीं अब छोटे से जिले में दहशरा पर्व के दिन रावण दहन को लेकर होने वाली राजनीति ने जिलेवासियों के लिए असमंजस की स्थिति निर्मित कर दी है और कुल मिलाकर इस वर्ष रावण दहन कार्यक्रम जिले में राजनीति की भेंट चढ़ती नजर आ रही है जैसा कि देखा भी जा रहा है। एक तरफ सत्ताधारी दल लगातार रावण दहन कार्यक्रम के लिए प्रशासन के सहयोग से तैयारी कर रहा है वहीं पूर्व से ही तैयारियों में जुटे 15 सालों से इस आयोजन को करने वाली समिति है जिसमे अधिकांश लोग भाजपा से हैं और जिनकी तैयारियों पर प्रशासन ने अनुमति न देकर रोक लगा दी है और अब इसी वजह से आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है और कुल मिलाकर इस वर्ष रावण दहन कार्यक्रम राजनीति की भेंट चढ़ते नजर आ रहा है और जो दिखने भी लगा है।

बात जिला मुख्यालय की बात करें जहां कोरिया सर्व विकास समिति जो 15 वर्ष से रावण दहन कार्यक्रम मिनी स्टेडियम में करती चली आ रही थी और इस वर्ष उसने पूर्व से ही तैयारी करते हुए रावण के पुतले का निर्माण भी कराना आरंभ कर दिया था और जिसे बाद में प्रशासन ने अनुमति न देकर रावण दहन कार्यक्रम से अलग कर दिया जिसको लेकर जमकर समिति ने अपना आक्रोश प्रकट किया और सत्ता के दुरुपयोग का सत्ताधारी दल पर आरोप लगाते हुए इसे तानाशाही निरूपित किया वहीं रावण के निर्माणाधीन पुतले पर व्यय हो चुकी राशि जिसे प्रशासन ने कोरिया सर्व विकास समिति को वापस कराने का जो प्रयास किया उसे भी समिति ने यह कह अस्वीकार कर दिया कि उन्हें लागत वापस मिले इसकी इक्षा नहीं है उन्हें पहले से तैयारियों के बावजूद अनुमति नहीं मिली और उनकी इक्षा लागत वापस लेने की नहीं है और उन्होंने लागत जो उन्हें वापस किया गया था उसे वापस कर दिया। जिला मुख्यालय का रावण दहन कार्यक्रम इसबार पूरी तरह राजनीति की भेंट चढ़ता नजर आया और यह तय हो गया कि रावण वध के लिए ही एक युद्ध करने दोनों दल तैयार हैं और कोई भी दल एकसाथ आकर एक साथ इस आयोजन को करने बिल्कुल तैयार नहीं है जैसा कि देखने को मिला।

शिवपुर चरचा में भी रार,नहीं दहन होगा रावण का पुतला

वहीं जिले के शिवपुर चरचा में भी

रावण दहन कार्यक्रम में दोनों ही राजनीतिक दलों में रार देखने को मिला और एसईसीएल प्रबंधन जिसने पहले अपने स्टेडियम में जहां रावण दहन की अनुमति दे रखी थी उसे निरस्त कर दिया और अब शिवपुर चरचा में रावण दहन कार्यक्रम नहीं होगा ऐसा लगभग तय हो चुका है। यहाँ भी दोनों राजनीतिक दल एक दूसरे पर राजनीति का आरोप लगा रहें है लेकिन दोनों ही झुकने तैयार नहीं है यह देखने को मिल रहा है। कुल मिलाकर रावण दहन की बजाय दोनों ही राजनीतिक दल एक ऐसा मंच अपने लिए तलाश रहें हैं जहां उन्हें जनता सुन सके और उनकी तरफ से आयोजन हो और जनता को इसका एहसास हो सके यह उनकी मंशा है। कुलमिलाकर जनता के लिए आयोजन की बजाए पुरा आयोजन खुद के मान प्रतिष्ठा में वृद्धि के लिए आयोजित करने के पक्ष में दोनों ही दल ज्यादा नजर आए।

हो सकता था सामूहिक आयोजन

दहशरा पर्व अहंकार को परास्त करने का पर्व है बुराई को परास्त करने का पर्व है और इसी पर्व के लिए दोनों राजनीतिक दल अपने अपने अहंकार के साथ आयोजन के लिए आगे हैं जो सुनने और देखने मे बड़ा विचित्र लग रहा हैदोनों ही राजनीतिक दल यदि चाहते तो एकसाथ यह आयोजन वह कर सकते थे लेकिन दोनों ही दलों को आपस मे आयोजन के लिए लड़ते हुए देख अब यही कहा जा सकता है कि अपने अहंकार पर ही दोनों दलों के लोगों का नियंत्रण नहीं है और ऐसे में इनके द्वारा आयोजित अहंकार के पराजय के स्वरूप में मनाया जाने वाला दहशरा पर्व कितना सार्थक होगा यह समझा जा सकता है।

पटना सहित जमगहना में रावण दहन में रहेगी भाजपाइयों की उपस्थिति

कोरिया जिले में रावण दहन कार्यक्रम मुख्यतः जिन जगहों पर होता है उनमें से जहां सबसे ज्यादा लोगों का हुजूम जुटता है उसमें बैकुंठपुर, शिवपुर चरचा, जमगहना व पटना में आयोजित होने वाला रावण दहन कार्यक्रम प्रमुख है,पटना में सबसे ज्यादा लोगों का हुजूम दहशरा के दिन जुटता है वहीं जमगहना में भी काफी संख्या में लोग इस दिन जुटते हैं, इसवर्ष रावण दहन कार्यक्रम में हो रही राजनीति के बीच जहां जिला मुख्यालय में सत्ताधारी दल के लोग मंच पर नजर आएंगे और उन्ही के तत्वावधान में रावण दहन कार्यक्रम संपन्न होगा वहीं पटना व जमगहना में भाजपाइयों की उपस्थिति मंच पर रहेगी और इन क्षेत्रों से सत्ताधारी दल की दूरी पूर्व की तरह कायम रहेगी यह देखने को मिलेगा। कुल मिलाकर सभी जगह सत्ताधारी दल अपनी उपस्थिति नहीं बना सकेगा क्योंकि कई क्षेत्रों में खासकर पटना व जमगहना में उनका जनाधार भी कम हुआ है और जो लगातार कम होता भी जा रहा है।

छात्रा के मौत के मामले में दो मौलाना गिरफ्तार

» मदरसे की जांच में पहुंची प्रशासनिक टीम
» मदरसे के हॉस्टल में छात्रा की फांसी पर झूलते मिला था शव,
» परिजनों ने लगाया है हत्या का आरोप

-संवाददाता-
सूरजपुर 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भैयाथान ब्लॉक के ग्राम भवराही के एक मदरसे में पढ़ने वाली छात्रा के मौत के मामले में दो मौलवियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।प्रथम दृष्ट्या दोनों की गलती पाई गई है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।इधर आज मदरसे की जांच में प्रसाशनिक अमला भी भवराही पहुचा था।जांच में प्रशासन की टीम ने भी प्रथम दृष्टया मौलवियों को ही मौत का जिम्मेदार पाया है।ज्ञात हो कि सोमवार को मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के ग्राम गोभा की एक 15 वर्षीय छात्रा जो भवराही के मदरसे में पढ़ती थी ,का शव हास्टल के कमरे में फांसी पर झूलते मिला था।जिसकी सूचना पर भवराही पहुँचे परिजनों ने मौलवियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी।परिजनों के अनुसार उनकी बच्ची के साथ मारपीट की गई

थी।इसे लेकर जमकर हंगामा भी हुआ था।मंगलवार को जिला मुख्यालय में छात्रा का पीएम दो डॉक्टरों की टीम ने करने के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया था। इधर पुलिस मामले की जांच कर रही है पुलिस ने प्रारम्भिक जांच में मौलाना ताहिर व शरीफ को मौत का जिम्मेदार पाया है जिन पर धारा 306 व 34 का जुर्म दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।इधर आज मदरसा निरीक्षण में नायाब तहसीलदार अमृता सिंह,सुनीता भारद्वाज, जिला शिक्षा अधिकारी आदि मदरसा पहुँचे थे।जिन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट जिला अधिकारियों को सौप दी है।सूत्रों के अनुसार अधिकारियों की टीम ने भी जांच में मदरसे के मौलवियों को जिम्मेदार बताया है।आरोपी मौलाना उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश के बताए गए है।

आर्दश ग्राम बसदेई के 22 वर्षीय छत्रपाल नाई ने दोपहर करीब तीन बजे के आसपास अपने दुकान पर अपने गले मे फंदा लगाकर फांसी लगा ली है। दुकान से एक सोसाइड नोट भी मिला है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छात्राओं की टीम के प्रथम आने पर प्राचार्य ने छात्राओं को दी बधाई

-उपेश सिन्हा-
कुसमी 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिला स्तरीय विज्ञान मेला का आयोजन दिनांक 23. 09 .2022 को ऑनलाइन आयोजित किया गया था इसमें कई तरह की प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था, जहाँ जिले के सभी विकास खण्ड के चयनित प्रतिभागी जो की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित हुये थे सभी प्रतिभागी अपने अपने ब्लाक

में कई तरह के मॉडल,सेमिनार,नाट्य प्रस्तुति,प्रश्न मंच इत्यादि में भाग लिये थे और अच्छा प्रदर्शन करने के बाद ,इस प्रतियोगिता में भाग लिये थे जिसमें विकासखंड कुसमी के शासकीय कन्या उ.मा.विद्यालय की कु.प्रियंका सिंह और कु. मंजू नाग की टीम ने प्रश्नमंच में प्रथम स्थान प्राप्त किया, इसके लिए संस्था के प्राचार्य मानिकचंद गुप्ता ने छात्राओं और मार्गदर्शक शिक्षक अजय गुप्ता बी. आर. किंडो और सीमा भगत को बधाई दी साथ ही जोन स्तरीय होने वाली प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

जहां जरुरत नहीं,वहां बन रही पुलिया,पांच लाख की लागत से हो रहा निर्माण

समतल भूमि पर इंजीनियर के द्वारा दिया गया ले आउट किया जा रहा है पुलिया का निर्माण कार्य

-राजेन्द्र कुमार शर्मा-
खड़गवां 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत पोडी के पतेरा पारा में मनरेगा के तहत लगभग 5 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण का कार्य किया जा रहा है। जिस स्थान पर पुलिया का निर्माण किया जा रहा है वह स्थल समतल है गौरतलब हैं कि जिस जगह पर पुलिया का निर्माण कार्य किया जा रहा है , उसमें बारिश में भी पानी नहीं रहता है जानकारी के अनुसार मुख्य मार्ग से बैरडांड पहुंच मार्ग में पुलिया का निर्माण किया जा रहा जिसकी लागत लगभग 5 लाख रुपए है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस सड़क पर पुलिया बनाई जा रही है, वह काफी पुरानी और जर्जर सड़क है। यहां बारिश के दिनों में कीचड़ हो जाता है। वहीं जिस नाले के नाम पर पुलिया का निर्माण कार्य किया जा रहा है, उस नाले मे पानी रहता ही नहीं है ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया की आवश्यकता नहीं थी अगर आवश्यक था तो उतनी राशि का मुरुमीकरण करा

दिया जाता तो कीचड़ से निजात मिल जाता और आवागमन सुचारू रूप से बहाल हो जाता लेकिन ऐसा नहीं किया गया एवं ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिया निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा है। बिना रॉड लगाकर पुलिया की पाया की ढलाई की जा रही है। । वही निर्माणाधीन स्थल पर कोई भी सूचना पटल नहीं लगाया गया है, जिससे कार्य का नाम और उसकी लागत का पता किस योजना से किया जा रहा है । ग्रामीणों द्वारा भी गुणवत्ता को लेकर शिकायत की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच अपने रिश्तेदार को पुलिया निर्माण का ठेका दिया है। वह अपने मनमाने ढंग से कार्य कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत के निर्माण कार्यों में सरपंच-सचिव मिलकर धांधली करते हैं। अनुपयोगी स्थलों पर निर्माण कार्यों को अंजाम देते हुए खुद मालामाल हो रहे हैं इन्हें जनता के हितों से कोई वास्ता नहीं है उक्त स्थल पर हो रहें पुलिया निर्माण कार्य की जांच कर कार्य वाही होनी चाहिए

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने दुर्गा पंडाल एवं गरबा डांडिया स्थल के सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

-संवाददाता-
कोरबा, 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह दुर्गा पूजा के अवसर पर शहर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने शहर भ्रमण पर निकले शहर में स्थापित दुर्गा पंडाल एवं डांडिया गरबा स्थल का भ्रमण कर महिलाओं एवं बच्चों के सुरक्षा के लिए किए गए सुरक्षात्मक उपायों के बारे में जानकारी लेकर आयोजनकर्ता एवं पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए ए। संतोष सिंह द्वारा कार्यक्रम स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने एवं पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने के निर्देश भी दिए गए। वही दुर्गा पंडालों एवं गरबा स्थलों पर कोरबा पुलिस के द्वारा लगाए गए बैनर पोस्टर का अवलोकन कर कार्यक्रम में आए हुए श्रद्धालु एवं दर्शकों को निजात अभियान से जुड़कर नशा मुक्त समाज स्थापित करने में अपना सहयोग देकर अभियान को सफल बनाने हेतु अपील किया गया है।

कलेक्टर द्वारा सब इंजीनियर का वेतन वृद्धि रोकने का निर्देश

-संवाददाता-
कोरबा, 29 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जल जीवन मिशन के कार्यों में लगातार समयवृद्धि के बाद भी अपेक्षित गति नहीं लाना कोरबा सब डिवीजन के सब इंजीनियर जी एस कंवर को भारी पड़ गया। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सब इंजीनियर जी एस कंवर के वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए। साथ ही कार्य पूर्ति के लिए दो बार तक समय अवधि बढ़ाने के बाद भी काम पूरा नहीं करने वाले ठेकेदारों को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।कलेक्टर संजीव झा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में हो रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी, अभियंतागण, परियोजना समन्वयक एवं विभाग में कार्यरत ठेकेदार शामिल हुए । बैठक में कलेक्टर श्री झा ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत एफएचटीसी, रेट्रोफिटिंग, निविदाओं की स्थिति, टंकी निर्माण, पाईप लाईन के माध्यम से हर घर जल आदि के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने ठेकेदारों से जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर श्री झा ने जिले में हो रहे जल जीवन

मिशन के अंतर्गत कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए सब इंजीनियर जी एस कंवर के वेतन रोकने के निर्देश दिए। साथ ही कार्य पूर्ति के लिए दो बार तक समय अवधि बढ़ाने के बाद भी काम पूरा नहीं करने वाले ठेकेदारों को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री झा ने मिशन के अंतर्गत अभी तक काम शुरू नहीं किए ठेकेदारों का कार्य आदेश निरस्त कर दूसरे ठेकेदारों को कार्य आवंटित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिन गांव में शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन प्रदान कर दिए गए हैं उन्हें हर घर जल प्रमाणित करने के लिए ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित करवाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर श्री झा ने बैठक में कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर में नल के माध्यम से पीने का साफ पानी पहुंचाना है। उन्होंने जिले के सभी स्कूलों, आंगनबाड़ी, अस्पतालों सहित गांवों में पीने के साफ पानी उपलब्ध कराने के लिए नल कनेक्शन के काम को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न कार्य किये जा रहे है। इन सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित अवधि में पूरा किया जाये। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता एवं जिला जल जीवन मिशन के सचिव अनिल कुमार बच्चन सहित अन्य अधिकारीगण एवं संबंधित ठेकेदार शामिल हुए।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-../अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कलीमुल्ला आ0 मो0 सिद्दिक, उम्र-70 वर्ष, निवासी-मायापुर, नगर अम्बिकापुर , जिला-सरगुजा छ0ग0, के द्वारा बताया गया है कि आवेदक एवं उनके बड़े भाई अब्दुल जब्बार आ0 मो0 सिद्दीक करैशी के संयुक्त स्वामित्व व हक की मोहल्ला-मायापुर नगर अम्बिकापुर, स्थित प्लॉट 1585/3, 1585/4 रकबा 0.09,0.13 एकड़ भूमि वर्तमान अभिलेख में दर्ज है। अब्दुल जब्बार आ0 मो0 सिद्दीक कुरैशी की मृत्यु दिनांक 30.10.2021 को मृत्यु हो गई है। अब्दुल जब्बार आ0 मो0 सिद्दीक कुरैशी के वैध वारिस अनावेदकगण के अलावा अन्य कोई नहीं है। अतः सह-खातेदार की मृत्यु होने के आधार पर उनका नाम विलोपित कर अनावेदकगण का नाम दर्ज किये जाने बाबत् नामान्तरण आदेश परित किये जाने बाबत् आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109,110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17/10/2021 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/09/2022को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-../अ-6/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुदीप सिन्हा आ0 स्व0 अखिलेश सिन्हा, उम्र-34 वर्ष निवासी-स्कूल रोड, हनुमान मंदिर के पास, बौरीपारा, अम्बिकापुर, जिला -सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया है कि अनावेदक/विक्रेता-विष्णु प्रताप अग्रवाल कर्ता एच.यू.एफ.आ0 स्व0 चन्द्रगीराम अग्रवाल उम्र-71 वर्ष, निवासी-ब्रम्हरोड़, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0, के स्वामित्व व हक की मोहल्ला-बाबुपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 3467/4866/95 रकबा 43110 वर्गफीट, भूमि है। उक्त नजूल प्लॉट नजूल प्लॉट 3467/4866/95 रकबा 43110 वर्गफीट, में से रकबा 1021 वर्गफीट भूमि व निर्मित मकान को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 16.09.2022 के द्वारा अनावेदक /विक्रेता-विष्णु प्रताप अग्रवाल कर्ता एच.यू.एफ.आ0 स्व0 चन्द्रगीराम अग्रवाल उम्र-71 वर्ष, निवासी-ब्रम्हरोड़, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 से मेरे द्वारा क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 16.09.2022 के आधार पर अपने नाम नामान्तरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109,110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17/10/2021 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/09/202को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

नेशनल गेम्स की कब हुई थी शुरुआत,क्या है इतिहास क्यों कहा जाता है इसे भारत का घरेलू ओलंपिक

गांधीनगर,29 सितम्बर 2022। गुजरात में 36वें नेशनल गेम्स का आयोजन हो गया है। इसे गुजरात 2022 भी कहा जा रहा है। यह 22 अक्टूबर 2022 तक चलेगा। जानकारी के मुताबिक 36 खेलों के करीब 7000 एथलीट इस बार इसमें हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन भी करेंगे। यह पहला मौका है जब गुजरात नेशनल गेम्स की मेजबानी कर रहा है। भारत के 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेशों की टीम इसमें हिस्सा ले रही हैं। साथ ही साथ भारतीय सेना की टीम भी इसमें हिस्सा लेगी। खेलों का आयोजन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, गांधीनगर, सूरत, वडोदरा, राजकोट और भावनगर में होगा। इसमें एथलेटिक्स, फील्ड हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, लॉन टेनिस, टेबल टेनिस जैसे खेलों को शामिल किया गया है। इसके अलावा कबड्डी खो-खो जैसे हमारे पारंपरिक खेल भी इस बार इसमें शामिल है।

कब हुई थी शुरुआत

बताया जाता है कि भारतीयों को खेलों में बढ़ावा देने के लिए प्रमुख व्यवसाय दोराबजी टाटा ने राष्ट्रीय स्तर पर एक संस्था के गठन का सुझाव दिया था। भारत के खिलाड़ियों को यह संस्था ओलंपिक खेलों में शामिल होने के लिए तैयार करती। इसी दौरान भारतीय राष्ट्रीय खेल का आयोजन का सुझाव आया। इसे ओलंपिक के तर्ज पर आयोजित किया गया। पहला आयोजन लाहौर में 1924 में हुआ था। उस दौरान इसे अखिल भारतीय ओलंपिक खेल कहा जाता था। पहले इसे हर 2 साल पर आयोजित किया जा रहा था। 1927 में अखिल भारतीय ओलंपिक समिति को भारतीय ओलंपिक संघ में बदल किया गया। 1935 में इलाहाबाद में इसका आयोजन कराया

गया। इसके बाद भी इसका आयोजन 2 साल के अंतराल पर ही होता रहा। 1932 में मद्रास, 1934 में नई दिल्ली, 1936 में फिर से लाहौर और 1938 में कोलकाता में इसका आयोजन हुआ।

1940 से इसका नाम राष्ट्रीय खेल कर दिया गया। 1940 तक यह इंडियन ओलंपिक गेम्स के तौर पर ही जाना गया। यही कारण है कि इसे आज ही भारतीय ओलंपिक खेल के तौर पर ही देखा जाता है। 1940 में नेशनल गेम्स के तौर पर इसकी मेजबानी मुंबई को सौंपी गई थी। विभिन्न समय में विभिन्न अंतराल के हिसाब से इस खेल का आयोजन कराता जाया गया। 1970 में 25 वें संस्करण तक हर 2 वर्ष के अंतराल पर होता रहा। 1979 में 9 साल के अंतराल के बाद इसका आयोजन हैदराबाद में हुआ।

नया नेशनल गेम्स

यह बात भी सच है कि भले ही इसका आयोजन लगातार होता रहा। लेकिन नेशनल गेम्स धीरे-धीरे अपने चमक होते जा रही थी। इस को फिर से जीवंत करने के लिए कई बड़े प्रयास किए गए और इसी प्रयास के तहत 1985 में काफी बड़े स्तर पर नई दिल्ली में नेशनल गेम्स का आयोजन किया गया। इसमें महाराष्ट्र ने बाजी मारी थी। 1987 में केरला में, 1994 में महाराष्ट्र में, 1997 में कर्नाटक में, 1999 में मणिपुर में नेशनल गेम्स का आयोजन हुआ। 2001 में पंजाब ने इसकी मेजबानी की थी जबकि 2002 में आंध्र प्रदेश को मेजबानी सौंपी गई थी। 2007 में असम में यह मेजबानी दी गई थी। 2011 में झारखंड और 2015 में केरल में यह खेला गया था। 2020 में कोरोना महामारी की वजह से इसे निरस्त करना पड़ा था। 2022 में एक बार फिर से नए रंग रूप में यह गुजरात में खेला जा रहा है।

शगुन युगल खिताब के करीब,एकल में भी पहुंची सेमीफाइनल में

लखनऊ ,29 सितम्बर 2022। एशियन जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के अंडर-16 मुकाबलों के तीसरे दिन उत्तर प्रदेश की शगुन कुमारी ने अपने शानदार खेल की बदौलत बालिका एकल वर्ग में न सिर्फ सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित किया बल्कि अपनी जोड़ीदार जया कपूर के साथ युगल मुकाबले के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

विजयंतखंड स्टेडियम के कोर्ट पर खेली जा रही प्रतियोगिता में शगुन और जया कपूर की जोड़ी ने रूबानी कौर सिद्धू और शक्ति मिश्रा की जोड़ी को हराकर खिताब की तरफ कदम बढ़ा दिया है वहीं बालिका वर्ग के एकल मुकाबलों में शगुन के अलावा जया कपूर, ए.खोराकीवाला और रिधिमा सिंह भी सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं।

बालिका वर्ग के चार्टरफाइनल सिंगल्स मुकाबलों में आज यूपी की शगुन कुमारी ने जुफिशा खान को सीधे सेटों में 6-0,6-1 से हरा दिया। शगुन के शानदार ग्राउंड स्ट्रोक्स के सामने जुफिशा की एक नहीं चली। उधर प्रथम वरीयता प्राप्त जया कपूर ने प्रज्ञा यादव को बिना एक भी गेम गवाए 6-0,6-0 से हरा दिया वहीं चौथी वरीयता प्राप्त ए.खोराकीवाला ने अपनी प्रतिद्वंदी आर.कौर सिद्धू को आसानी से 6-2,6-1 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी बर्थ पक्की कर ली। बालिका वर्ग का आखिरी चार्टरफाइनल मुकाबला पूरा नहीं हो सका। इस मुकाबले में इशिता मिधा ने चोट के

कारण मैच अधूरा छोड़ दिया। इस मैच में रिधिमा सिंह को विजेता घोषित किया गया।

बालक वर्ग के मुकाबले में उलटफेरों का दौर आज भी जारी रहा। टूर्नामेंट के सबसे बड़े उलटफेर के तहत प्रथम वरीयता प्राप्त नमिष शर्मा को हार का सामाना करना पड़ा। उन्हें पांचवी वरीयता प्राप्त आदित्य मोर ने आसानी से 6-2,6-2 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अन्य मुकाबलों में तीसरी वरीयता प्राप्त दक्ष कपूर ने रुद्र बाथम को कड़े संघर्ष के बाद 3-6,6-3,6-3 से हारकर उनकी चुनौती एकल में समाप्त कर दी। बालक वर्ग के एक और चार्टरफाइनल में आराध्य क्षितिज ने चौथी वरीयता प्राप्त प्रनिल शर्मा को 6-3,6-3 से सीधे सेटों में पराजित कर दिया। आखिरी चार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त ऐश्वर्य मेहरा ने अद्वित तिवारी को 6-2,6-4 से हराकर इस टूनार्मेंट में उनकी दावेदारी को खत्म कर दिया।

एशियन जूनियर टेनिस के तीसरे दिन युगल मुकाबलों के सेमीफाइनल खेले गए। बालिका वर्ग के युगल मुकाबलों में शगुन कुमारी और जया कपूर की जोड़ी अब खिताब से एक कदम दूर है। उन्होंने अपना मुकाबला 7-6(6), 6-2 से जीत लिया। उनका फाइनल में मुकाबला सिधक कौर और रिधिमा सिंह की जोड़ी से होगा। दूसरे सेमीफाइल मुकाबले में सिधक कौर और रिधिमा सिंह की जोड़ी ने सताक्षिका सहायक और परिज्ञा यादव की जोड़ी को 6-4,6-3 से हरा दिया। बालक वर्ग के सेमीफाइनल में आदित्य मोर और प्रनिल शर्मा की जोड़ी ने दक्ष कपूर और आराध्य क्षितिज की जोड़ी को 6-2,6-4 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है।

वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को झटके पर झटका

पहले दीपक हुडा तो अब बुमराह हुए चोटिल

नई दिल्ली,29 सितम्बर 2022। टी20 विश्व कप शुरू होने में अब महज 20 दिन का वक्त रह गया है। हालांकि, फिटनेस के लिहाज से देखें तो टीम इंडिया के लिए सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। टीम इंडिया के 15 सदस्य टीम में शामिल दो खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं। दीपक हुडा पहले ही चोटिल हो चुके थे जबकि आप स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने की खबर आ रही है। जसप्रीत बुमराह के वर्ल्ड कप से बाहर होने की भी खबर है। दीपक हुडा भी चोट की वजह से वर्ल्ड कप से बाहर हो सकते हैं। टीम इंडिया के लिहाज से यह अच्छी खबर नहीं है। ऐसे में सवाल यह है कि आखिर दीपक हुडा और जसप्रीत बुमराह के जगह 15 सदस्य टीम में अब किसे रखा जाएगा। स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई और दीपक चहर को रखा गया था।

ऐसे में जसप्रीत बुमराह के चोट के बाद मोहम्मद शमी को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, मोहम्मद शमी भी अभी फिट नहीं हैं। ऐसे में दीपक चाहर के लिए लॉटरी लग सकती है। दीपक चाहर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में अच्छी गेंदबाजी की थी। ऐसे में कहीं ना कहीं मैनेजमेंट उन पर दाव लगा सकता है। जसप्रीत बुमराह को प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लगी थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ङ्ग20 सीरीज में काफी दिनों के बाद उनकी वापसी हुई थी। इससे पहले भी भेज चोट से परेशान थे जिस वजह से उन्हें बाहर रहना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 मुकाबले में जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। हालांकि, जसप्रीत बुमराह का अनुभव ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता था। दीपक हुडा भी भारतीय टीम के एक अहम सदस्य बन चुके हैं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। दीपक हुडा टीम में ऑलराउंडर की भूमिका में खेलते हैं। लेकिन यह बात भी सच है कि उन्हें गेंदबाजी का कम मौका मिलता है। अगर दीपक हुडा वर्ल्ड कप से बाहर होते हैं तो उनकी जगह श्रेयस अय्यर को रखा जा सकता है।

नसीम शाह कोविड-19 जांच में पॉजिटिव

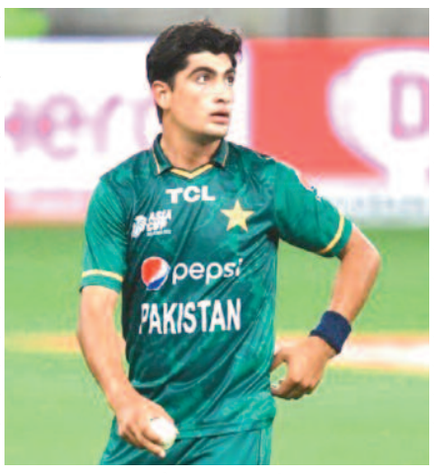

लाहौर ,29 सितम्बर 2022। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाये जाने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ जारी सात मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के बाकी बचे दो मैचों में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को बताया कि शाह को निमोनिया का पता चलने के बाद गुरुवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वह काफी बेहतर महसूस कर रहा है। बोर्ड से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक शाह टीम होटल में वापस आ गए हैं जहां वह कोविड-19 से जुड़ी सभी प्रोटोकॉल का पालन करेंगे।'

पाकिस्तान की टीम सोमवार को न्यूजीलैंड दौरे पर रवाना होगी जहां उसे त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेना है। इस श्रृंखला में तीसरी टीम बांग्लादेश है। पीसीबी ने यह साफ नहीं किया कि वह न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा बनेंगे या नहीं। वह इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला का पहला मैच खेलने के बाद अंतिम एकादश से बाहर हो गये थे। शाह को सीने में दर्द और बुखार की शिकायत के बाद मंगलवार देर रात लाहौर के अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। पाकिस्तान की टीम श्रृंखला में अभी 3-2 से आगे है। इसके बाकी बचे दोनों मैच शुक्रवार को खेले जायेंगे।

अर्शदीप सिंह ने किया खुलासा, परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने पर मुख्य ध्यान

तिरुवनंतपुरम ,29 सितम्बर 2022। भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टीम का मुख्य ध्यान परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने पर है। टी20 विश्व कप 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच ऑस्ट्रेलिया में खेला जाएगा और अर्शदीप ने कहा भारतीय गेंदबाज वहां की कड़ी चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। एशिया कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में शानदार वापसी करने वाले इस 22 वर्षीय तेज गेंदबाज ने कहा,'' हमारी टीम का मुख्य लक्ष्य परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना और किसी भी तरह की परिस्थितियां हों उनके अनुकूल प्रदर्शन करने पर है।''

मैड कंपनी की शूटिंग खत्म हुई तो मुझे बहुत बुरा लगाः तमिल अभिनेता प्रसन्ना

कई समीक्षकों द्वारा प्रशंसित तमिल सुपरहिट में दर्शकों को लुभाने वाले प्रसन्ना ने कहा कि उनकी अगली परियोजना, मैड कंपनी नामक एक वेब सीरीज है। इसमें उनकी भूमिका उनकी अब तक की दूसरी सबसे पसंदीदा है और वह जब वेब सीरीज की शूटिंग खत्म हुई तो उन्हें वास्तव में बहुत बुरा लगा। प्रसन्ना ने कहा, मैं वेब सीरीज में एके नाम के एक व्यक्ति की भूमिका निभा रहा हूं। वह एक बहुत ही जटिल व्यक्ति है। वह एक ऐसा शख्स है जो अत्यधिक कुशल है। उसे लोग अभिमानी कहते हैं क्योंकि वह खरा बोलता है।

वह ऐसा व्यक्ति है जिसने फिल्म उद्योग को अपनी खुद की फर्म शुरू करने के लिए छोड़ दिया है जो अभिनेताओं को वास्तविक जीवन में अभिनय करने में सक्षम बनाता है।निर्देशक बालाजी मोहन, जिन्होंने सिद्धार्थ-स्टारर कधलील सोधापुवडु इप्पादी और धनुष-स्टारर मारी और मारी 2 सहित कई सुपरहिट दी हैं, इस वेब सीरीज के क्रिएटिव निर्माता हैं, जिसे उनके करीबी सहयोगी विग्नेश ने निर्देशित किया है।

प्रसन्ना बताते हैं, यह आठ-एपिसोड की वेब सीरीज में ढेर सारी वास्तविकता है। सीरीज एक ऐसी फर्म के बारे में है जो लोगों को अपने वास्तविक जीवन में पात्रों को निभाने के लिए अभिनेताओं को काम पर रखने की अनुमति देती है। इस फर्म के संस्थापक और सीईओ ऐसे अभिनेताओं की अभिनय सेवाएं प्रदान करते हैं।वेब सीरीज 30 सितंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा तमिल पर रिलीज होने वाली है और इसमें प्रसन्ना के अलावा अभिनेता एस.पी. चरण, कनिहा और दान्या बालकृष्ण महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे।

हुमा कुरैशी 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' में हेलन के रूप में आएंगी नजर

हुमा ने एक मजबूत नेता वाली राजनेता रानी भारती के अपने किरदार से आपको प्रभावित किया, लेकिन तब तक इंतजार करें, जब तक कि आप हुमा कुरैशी की आने वाली फिल्म 'मोनिका, ओ माय डार्लिंग' का नवीनतम टीजर नहीं देख लें, क्योंकि वह एक बार फिर इसे अपने नाम कर चुकी हैं। टीजर की शुरूआत हुमा के साथ होती है, जिसमें वह सैक्सोफोन की धुन पर नाचती हुई लाल रंग की पोशाक में खूबसूरत दिख रही हैं। वह फिर धीरे-धीरे कैबरे करने लगती है, वह बीते जमाने की अभिनेत्री हेलेन की याद दिलाती है। वासन बाला द्वारा फिल्म का एक मिनट से अधिक, केवल राजकुमार राव और सिकंदर खेर की झलक के साथ 'एक जिंदगी' नामक रेट्रो डांस नंबर पर केंद्रित है।

'मोनिका, ओ माई डार्लिंग' की टीम ने कहा, एक जिंदगी एक फुट-थंपिंग रेट्रो नंबर है, जो हर किसी को थिरकने के लिए तैयार कर देगा। हम इस कैबरे नंबर के साथ प्रशंसकों को फिल्म में एक झलक दिखाना चाहते थे। क्या आने वाला है।

फिल्म, एक नव-नोयर जो सही योजना के बारे में फिल्मों के लिए एक आदर्श है। फिल्म में राधिका आप्टे, भगवती पेरुमल, आकांक्षा रंजन कपूर, सुकांत गोयल और जैन मैरी खान भी शामिल हैं।

भरत ने तेलुगु एक्शन थ्रिलर हंट में देव की भूमिका निभाई

प्रसिद्ध तमिल अभिनेता भरत, जो निर्देशक वसंतबालन की वेयिल और जाने-माने निर्देशक शंकर की बॉयज सहित कई समीक्षकों द्वारा प्रशंसित सुपरहिट का हिस्सा रहे हैं, अब लगभग एक दशक के बाद हंट नाम की तेलुगू फिल्म में नजर आएंगे। हाई-वोल्टेज एक्शन एंटरटेनर में अपने चरित्र के विवरण का खुलासा करने के लिए, भरत ने कहा, हंट की दुनिया बंदूक, गोलियों, आतंक, छल के बारे में है। तो इस दुनिया को क्या फर्क पड़ता है? यह स्वैगर है और तेजतर्रार देव।

हैशटैग-हंट की दुनिया से खुद को देव के रूप में पेश कर रहा हूं। लगभग एक दशक के बाद एक टॉलीवुड उद्यम !! इसके लिए सुपर तैयार! मेरी टीम महेश सुरपनेनी, सुधीर बाबू, भव्य क्रिएशन्स, अभिनेता श्रीकांत मेका, घिबरन और आनंद प्रसाद को धन्यवाद।

भरत के अलावा, फिल्म में दो अन्य तेलुगु सितारे भी मुख्य भूमिका में होंगे।

जहां अभिनेता श्रीकांत फिल्म में मोहन भार्गव नामक एक किरदार निभाते हैं, वहीं अभिनेता सुधीर बाबू फिल्म में अर्जुन प्रसाद नामक एक कठिन और गतिशील चरित्र निभाते हैं।महेश द्वारा निर्देशित तीव्र एक्शन थ्रिलर में अरुल विंसेंट द्वारा छायांकन और घिबरन द्वारा संगीत है।

अवनीत कौर ने लगाया ग्लैमर का तड़का

टेलीविज़न की जानी मानी मशहूर अभिनेत्री अवनीत कौर अक्सर अपनी तस्वीरों और वीडियो के चलते खबरों में बनी रहती है वही हाल ही में अवनीत कौर ने अपनी कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर साझा की। इन फोटोज में अवनीत कौर साड़ी वाले लुक में दिखाई दे रही हैं। अवनीत अक्सर अपनी फोटोज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा करती रहती हैं। सोशल मीडिया पर अवनीत कौर की ये फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं। अवनीत इस वक़्त इंटरनेट सेंसेशन बनी हुई हैं। अवनीत एथनिक लुक में दिखाई दे रही हैं। अवनीत की इन ट्रैडिशनल फोटोज को लोग बेहद पसंद कर रहे हैं। अवनीत कौर सोशल मीडिया पर बहुत अधिक एक्टिव रहती हैं। बहुत ही छोटी उम्र में अवनीत ने अपना करियर आरम्भ कर दिया था। उनकी इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेहतरीन फैन फॉलोइंग है। अवनीत कौर के 33 मिलियन के आस-पास फॉलोअर्स हैं।

संक्षिप्त समाचार

दशहरा, दीपावली, शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन को लेकर अवकाश की घोषणा

रायपुर, 29 सितम्बर 2022। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्कूलों में अवकाश की घोषणा कर दी है। इस शैक्षणिक सत्र 63 दिन की छुट्टी रहेगी। इससे पहले डीपीआई ने सरकार को छुट्टियों का प्रस्ताव भेजा था।

दशहरा अवकाश - दिनांक 03.10.2022 से 07.10.2022 तक कुल 05 दिन

दीपावली अवकाश - दिनांक 21.10.2022 से 26.10.2022 तक कुल 06 दिन

शीतकालीन अवकाश - दिनांक 23.12.2022 से 28.12.2022 तक कुल 06 दिन

ग्रीष्मकालीन अवकाश - दिनांक 01.05.2023 से 15.06.2023 तक

छत्तीसगढ़ में सरकार ने 63 दिनों का अवकाश किया घोषित

रायपुर, 29 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा त्योहार, शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन अवकाश को लेकर स्कूलों में छुट्टियों का ऐलान कर दिया है। राज्य के सभी स्कूलों में 3 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक दशहरे एवं 21 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक 6 दिनों का अवकाश दिवाली के लिए दिया जा रहा है। साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग में शीतकालीन अवकाश की भी घोषणा कर दी है।

शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य से सभी स्कूलों में 23 दिसंबर से 28 दिसंबर तक 6 दिन का शीतकालीन अवकाश दिया जाएगा। इस मामले में मंगलवार शाम शासन ने आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं इस वर्ष छात्रों को 45 दिनों के लिए ग्रीष्मकालीन मिलेगा। शासन द्वारा जारी किये गए आदेश के अनुसार 1 मई से 16 जून तक प्रदेश के सभी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा।

देखे कब-कब मिलेगी छुट्टियां

दशहरा - 3 से 7 अक्टूबर

दीपावली - 21 से 26 अक्टूबर

शीतकालीन अवकाश - 23 से 28 दिसंबर

ग्रीष्मकालीन अवकाश- 1 से 16 जून

सट्टा संचालित करते 5 सटोरिये गिरफ्तार

रायपुर, 29 सितम्बर 2022। जिले में सट्टा एवं जुआ पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय प्रशांत अग्रवाल द्वारा रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को कार्य योजना तैयार कर इस पर अधिक से अधिक कार्यवाही करते हुए प्रभावी रूप से अंकुश लगाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है।

जिसके तारतम्य में आज दिनांक 29.09.2022 को भी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर/अपराध अभिषेक माहेश्वरी के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा सटोरियों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर सटोरियों के विरूद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए सट्टा संचालन करने वाले कुल 05 सटोरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नगदी रकम 6,860/- रूपये तथा सट्टा-पट्टी जप्त किया जाकर सटोरियों के विरूद्ध संबंधित थानों में कार्यवाही की गई। सटोरियों के विरूद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज :

रायपुर में इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया,नमन ने खेली 90 रन की पारी

रायपुर, 29 सितम्बर 2022। राजधानी रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के मैच में लीजेंड्स नमन ओझा (नाबाद 90) और इरफान पठान (नाबाद 37) की नायाब पारियों के दम पर गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स को पांच विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

बीते साल फाइनल में श्रीलंका को हराकर रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के पहले संस्करण का खिताब जीतने वाली इंडिया लीजेंड्स ने ऑस्ट्रेलिया द्वारा दिए गए 172 रनों के लक्ष्य को 19.2 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। ओझा ने अपनी 62 गेंदों की नाबाद पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाए जबकि इस मैच को इंडिया लीजेंड्स की ओर मोड़ने वाले इरफान ने 12 गेंदों पर चार छक्के और दो चौके लगाए। नमन और इरफान ने 22 गेंदों पर 50 रनों की साझेदारी की।

सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया लीजेंड्स फाइनल में किससे भिड़ेगी, इसका फैसला 30 सितंबर को हो जाएगा जब दूसरे सेमीफाइनल में मौजूदा उपविजेता श्रीलंका का सामना वेस्टइंडीज से होगा। यह मैच 29 सितंबर को होना था लेकिन बारिश के कारण इसे पुनर्निर्धारित किया गया है।

इससे पहले, टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 171 रन बनाए। बुधवार को बारिश के कारण खेल रोके जाने तक कंगारू टीम ने 17 ओवरों में पांच विकेट पर 136 रन बनाए थे। गुरुवार को जब दोपहर के वक्त खेल शुरू हुआ तो ऑस्ट्रेलिया ने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए 18 गेंदों में 35 रन जुटा लिए।

ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान शेन वाटसन ने 30, एलेक्स डूलन ने 35, बेन डंक ने 46 और कैमरन व्हाइट ने नाबाद 35 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हेडिन 12 रनों पर नाबाद लौटे। इंडिया लीजेंड्स की ओर से यूसुफ पठान और अभिमन्यु मिथुन ने दो-दो विकेट लिए जबकि राहुल शर्मा को एक सफलता मिली।

वाटसन और डूलन ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की। इन दोनों ने 43 गेंदों पर 70 रनों की साझेदारी की। वाटसन 21 गेंदों पर 6 चौके लगाने के बाद आउट हुए। डूलन भी अधिक देर तक नहीं टिक सके और 78 के कुल योग पर 31 गेंदों पर पांच चौके लगाने के बाद यूसुफ का शिकार हुए। यूसुफ ने कैलम फर्ग्यूसन (10) और मिथुन ने नेथन रियरडन (5) को अधिक देर नहीं टिकने दिया लेकिन बेन डंक ने बेहतरीन शाट्स लगाते हुए दर्शकों का मनोरंजन किया। 131 रन पर पवेलियन लौटने वाले डंक ने 26 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्के लगाए।

कुम्हारी में एक ही परिवार के चार लोगों की निर्मम हत्या, मौके पर पहुंची पुलिस

दुर्ग/रायपुर, 29 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ में दुर्ग जिले के कुम्हारी में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या से सनसनी फ़ैल गई है। घटना में पति-पत्नी और दो बच्चों को मौत के घाट उतार दिया गया है। पुलिस घटना स्थल पर मौजूद है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना कुम्हारी के पास अकोला गांव की बताई जा रही है। दुर्ग एसपी भी घटना स्थल के लिए रवाना हो चुके हैं।

सिर पर कुल्हाड़ी मारकर एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या के कारण आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि उड़ीसा के मूल निवासी मृतक भोलानाथ बाड़ी किराए में लेकर परिवार समेत निवास रहता था।

राज्य स्तरीय निर्यात संवर्धन समिति की बैठक सम्पन्न

रायपुर 29 सितम्बर 2022। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की राज्य स्तरीय निर्यात एवं संवर्धन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ में निर्यात किये जाने वाले उत्पाद एवं सेवाएं, निर्यात संभावित क्षेत्र, एक जिला एक उत्पाद योजना, छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित निर्यात संबंधी समस्याओं सहित राज्य में विभिन्न उद्योग एवं वाणिज्य के क्षेत्र में कार्यरत केन्द्रीय संस्थानों के स्थापना संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य सचिव ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारियों से पिछले वर्षों में राज्य से निर्यात तथा प्रमुख निर्यात उत्पादों एवं सेवाएं की जानकारी ली। उन्होंने राज्य में माईनर फारेस्ट प्रोडयूज के निर्यात के संबंध में विभिन्न देशों में की जा रही मांग के अनुसार उत्पादों का उत्पादन करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में चावल, आयरन और स्टील के उत्पाद, एल्यूमीनियम सहित मसाले, हर्बल उत्पाद, फल सब्जियों के बीज, रेशम यार्न, हेण्डलूम उत्पाद एवं हैण्डीक्राप्ट जैसे राज्य से निर्यात किये जाने योग्य उत्पादों के संबंध में व्यापक चर्चा की गई। इसी तरह से निर्यात के संभावित क्षेत्र लघु वनोपज, उद्यानिकी, मत्योत्पादन के क्षेत्र में गुणवत्ता, संवर्धन, पैकेजिंग तथा प्रमाणीकरण पर कार्ययोजना तैयार कर निर्यात की वृद्धि के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्य सचिव ने राज्य में निर्यात के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न केन्द्रीय संस्थाओं की छत्तीसगढ़ में स्थापना के संबंध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने की बात कही। बैठक में उद्योग विभाग के अधिकारियों ने वनोपज उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन हेतु मुख्य परिषद की आवश्यकता बताई।

रैक के अभाव के कारण रद्द रहेगी कई ट्रेनें

रायपुर, 29 सितम्बर 2022। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर रेल मंडल के रायगढ़ -झारसुगुड़ा सेक्शन चौथी लाइन का कार्य एवं ईब स्टेशन को चौथी लाइन से कनेक्टिविटी करने का कार्य किया जायेगा । यह कार्य दिनांक 21 से 29 सितम्बर, 2022 तक किया गया है ।

जिसके कारण रैक के अभाव रद्द होने वाली गाड़ी:-

1. रैक के अभाव के कारण यह गाड़ी दिनांक 30 सितम्बर, 2022 को पुणे से चलने वाली 12129 पुणे-हावड़ा आजाद हिन्द एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।

2. रैक के अभाव के कारण यह गाड़ी दिनांक 30 सितम्बर, 2022 को राजेन्द्रनगर से चलने वाली 13288 राजेन्द्रनगर-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस रद्द रहेगी ।

(3) 29 सितम्बर 2022 को शालीमार से चलने वाली 12102 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस।

(4) 30 सितम्बर को एलटीटी से चलने वाली 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस।

मोबाईल फोन और दोपहिया वाहन चोरी करने वाले 02 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 29 सितम्बर 2022। मोबाईल चोरी की घटनाओं को देखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय प्रशांत अग्रवाल द्वारा रायपुर जिले के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को मोबाईल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर आरोपियों को पकड़ने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है।

इसी तारतम्य में दिनांक 29.09.2022 को थाना आमानाका पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि थाना आमानाका क्षेत्रांतर्गत छठ तालाब हीरापुर टाटीबंध पास दो पहिया वाहन सवार दो व्यक्ति मोबाईल बिक्री करने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहे है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर/अपराध अभिषेक माहेश्वरी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम डी. सी. पटेल द्वारा थाना प्रभारी आमानाका संत राम सोनी को सूचना की तस्दीक कर आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया। जिस पर थाना प्रभारी आमानाका के नेतृत्व में थाना आमानाका पुलिस द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये वाहन एवं हुलिये के व्यक्तियों को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम लवजोत सिंह उर्फ लब्बो एवं परविन्दर सिंह बोपाराय उर्फ राणा निवासी कबीर नगर रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा दोनों व्यक्तियों की तलाशी लेने पर उनके पास 05 नग मोबाईल फोन रखा होना पाया। दोनों से मोबाईल फोन एवं दोपहिया वाहन के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उनके द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करते हुए लगातार टीम के सदस्यों को गुमराह किया जा रहा था। टीम के सदस्यों द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा मोबाईल फोन को रायपुर के अलग-अलग स्थानों से तथा दोपहिया वाहन को दुर्ग से चोरी करना बताया।

जिस पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की कुल 05 नग मोबाईल फोन एवं 01 नग दोपहिया वाहन जुमला कीमती लगभग 80,000/- रूपये जप्त आरोपियों के विरूद्ध थाना आमानाका में धारा 41(1+4) जा.फौ./379 भादवि. पंजीबद्ध कर कार्यवाही की गई।

छत्तीसगढ़ में केंद्रीय मंत्री को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिखाए काले झंडे

कोटा, 29 सितम्बर 2022। बिलासपुर जिले के कोटा में पुरानी ट्रेनों का पुनः परिचालन की मांग को लेकर CV रमन कालेज के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री का विरोध करते हुए काला झंडा दिखाया। केंद्रीय मंत्री डॉ.सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी कोटा में संगोष्ठी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने करगी रोड स्टेशन में ट्रेनों के स्टापेज और पुरानी ट्रेनों का पुनः परिचालन की मांग को लेकर छ्ङ्क रमन कालेज के सामने केंद्रीय मंत्री के कांग्रेस पार्टी के लोगों ने घेराव और विरोध प्रदर्शन करते हुए काला झंडा दिखाया। केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते आज कोटा स्थिति डॉ. रमन यूनिवर्सिटी कोटा में एक संगोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पहुंचे।

जिला कांग्रेस और ब्लाक कांग्रेस के पदाधिकारियों सहित कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री का घेराव और विरोध प्रदर्शन किया गया। रमन विश्वविद्यालय के सामने जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों सहित कोटा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष और रतनपुर ब्लाक अध्यक्ष और स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री का विरोध प्रदर्शन करते हुए काला झंडा दिखाया गया।

नल से महुआ शराब सप्लाई करने वाला शातिर गिरफ्तार

रायगढ़, 29 सितम्बर 2022। सचिव सह आबकारी आयुक्त निरंजन दास एवं प्रबंध संचालक सीएसएमसीएल ए.पी त्रिपाठी के द्वारा दिए गए निर्देश के तारतम्य में जिला रायगढ़ में अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाहियां जारी हैं। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्रीमती रानू साहू एवं सहायक आयुक्त आबकारी रामकृष्ण मिश्रा के निर्देश पर महुआ शराब की अवैध बिक्री के विरूद्ध आबकारी वृत्त खरसिया प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक आशीष उप्पल ने कार्रवाई की है।

मुखबिर से सूचना मिलने पर मनोज जोल्हे पिता लालाराम उम्र 40 वर्ष साकिन हरिजन मोहल्ला, अंजोरीपाली चौकी खरसिया के रिहायशी मकान की सघन जांच करने पर पाया गया कि ऊपर छत में एक छिपी हुई टंकी बनाई गई थी जिसमें महुआ शराब भरी जाती थी और नीचे घर में एल्यूमीनियम के गेट के सहारे छिपा कर एक पाइप से नल लगा कर रखा गया था इस नल से ही आवश्यकतानुसार ग्राहकों को महुआ शराब निकाल कर बेची जाती थी। आरोपी के संज्ञान अधिपत्य से कुल 30 लीटर महुआ मदिरा, आबकारी टीम के साथ मदिरा जप्त कर आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) क 34 (2)एवं 59 (क) के तहत प्रकरण दर्ज कर जेल दाखिला की कार्यवाही की गयी।

उक्त कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक आशीष उप्पल द्वारा की गयी। इस दौरान हमराह स्टाफ आबकारी उडन् दस्ता प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक रमेश सिदार, आबकारी आरक्षक प्रवीण जांगड़े, कुलदीप ठाकुर, मनोज तिवारी, तेजराम साहू, महिला नगर सैनिक अन्नू ठाकुर, उर्सेला, सरोज एवं वाहन चालक उमेश साहू उपस्थित रहे।

सुरक्षाबलों के सामने 7 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा, 29 सितम्बर 2022। नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सात नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया । पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में चल रहे पूना नर्कोम %%नई सुबह, नई शुरुआत%% अभियान से प्रभावित होकर सात नक्सलियों - मड़कम मासा, माड़वी हिरमा, मड़कम भीमा, मड़कम बण्डी, मड़कम नंदा, सोड़ी जोगा और लछिन्दर- ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली मिलिशिया सदस्य, चेतना नाटय मंडली के सदस्य और दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन के सदस्य हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ एर्राबोर थाना क्षेत्र में विभिन्न नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य शासन के पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

आदिवासी हित की सुरक्षा राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता:लखमा

» चिंतलनार, बुरकापाल, मुकरम में ग्रामीणों से भेंट-मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं से हुए अवगत

» कन्या आश्रम के लिए किया 2 करोड़, सामुदायिक भवन के लिए 20 लाख और समिति भवन के लिए 6 लाख की घोषणा

रायपुर, 29 सितंबर 2022। उद्योग एवं आबकारी मंत्री श्री लखमा आज सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के ग्राम चिंतलपुर पहुंचे। वनांचल का यह दूरस्थ गांव नगर पंचायत दोरनापाल से 44 किलोमीटर दूर है। मंत्री श्री लखमा यहां तक सड़क मार्ग से पहुंचे और आम जनता से मुलाकात की। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने चिंतलनार में कन्या आश्रम के लिए दो करोड़ रूपये, सामुदायिक भवन के लिए 20 लाख रुपए और दुर्गा समिति भवन के लिए 6 लाख रूपये की मंजूरी दी।

मंत्री श्री लखवा ने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासियों के हित के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। आदिवासी हितों की सुरक्षा राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता में है। आदिवासियों से जुड़े जल, जंगल, जमीन की सुरक्षा और उनके हक को सुरक्षित रखने के लिए भी सरकार द्वारा सतत कार्य कर रही है। उन्होंने चर्चा के दौरान सड़क सुविधाओं के विकास, परिवहन सुविधा, निर्बाध विद्युत आपूर्ति आदि के संबंध में भी चर्चा की।

मंत्री श्री लखमा ने आज चिंतलनार, मुकरम, बुरकापाल, तेमेलवाडा, पुसवाड़ा, कांकेरलंका, पोलमपल्ली सहित अन्य स्थानों पर भेंट-मुलाकात किया। भेंट-मुलाकात के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष बोडू राजा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती आदम्मा मरकाम, करतम मुया एवं अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारी गण उपस्थित थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)